हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 58 | जौनपुर, गुरुवार 23 नवम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

सीएम योगी ने कानून-व्यवस्था पर गहलोत सरकार को धो दिया

जोधपुर में दंगाई तलवारें लहरा रहे थे, यूपी होता तो बुलडोजर रौंद देता

राजस्थान की रैलियों में योगी आदित्यनाथ को देखने उमड़े स्थानीय मतदाता, दीवारों पर बैठकर सुनी बातें

सहयात्री संवाद

जोधपुर/बीकानेर/नागौर/चुरू। सीएम योगी आदित्यनाथ राजस्थान के चुनावी समर में बुधवार को छठवें दिन उतरे और भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलाने का आह्वान किया। उन्होंने यूपी की भाजपा व राजस्थान की कांग्रेस सरकार का फर्क समझाया, फिर कानून व्यवस्था पर कांग्रेस को खूब धोया। बोले कि जोधपुर में दो वर्ष पहले सड़कों पर नंगी तलवारें लहरा रही थीं और दंगाई दंगा कर रहे थे। जोधपुर में नग्न तांडव पर सरकार मौन थी, लेकिन यह दंगाई यूपी में होते तो बुलडोजर रौंद देता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आह्वान किया कि चुनाव सहानुभूति का नहीं, भविष्य निर्माण का अवसर होता है। राजस्थान के सुखद भविष्य के लिए भाजपा जरूरी है। सीएम ने 22 जनवरी के बाद राजस्थानवासियों को अयोध्या राम मंदिर के दर्शन के लिए आमंत्रित भी किया।

वोट बैंक के नाम पर अराजकता की छूट कब तक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जोधपुर शहर से अतुल भंसाली, सूरसागर से देवेंद्र जोशी, सरदारपुरा से डॉ. महेंद्र सिंह राठौड़ के लिए वोट मांगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में दो वर्ष पहले सड़कों पर नंगी तलवारें लहरा रही थीं और दंगाई दंगा कर रहे थे। जोधपुर में नग्न तांडव पर सरकार मौन थी, लेकिन यह दंगाई यूपी में होते तो मेरा बुलडोजर इन्हें रौंद देता। वोट बैंक के नाम पर आखिर अराजकता फैलाने की छूट कब तक होगी। यह कर्फ्यू व दंगों वाली सरकार है। अलवर, जोधपुर में पूज्य संतों की हत्या पर सरकार सुनवाई करने को तैयार नहीं। सीएम ने कहा कि आपने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को श्पानी पिलायाश तो गजेंद्र सिंह शेखावत जलशक्ति मंत्री बने। वे अपनी योजना से पूरे देश को शुद्ध जल पिला रहे हैं।

हार देख कांग्रेसी फैला रहे थे अफवाह

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक व नोखा से प्रत्याशी बिहारी लाल विश्नोई को फिर से चुनाव जिताकर जयपुर भेजने का आह्वान किया। बोले कि कांग्रेस के लोग अपनी हार देख कल से अफवाह फैला रहे थे कि मैं नहीं आ रहा हूं। फोन आ रहे थे, मैंने बताया कि दूसरी जनसभा नोखा में ही है। हम लोग प्रभु श्रीराम के भक्त हैं। मैंने वचन दिया था, उसे पूरा करने के लिए फिर से नोखा आया हूं। अच्छी मिठाई–नमकीन में बीकानेर व राजस्थान का सबसे बड़ा योगदान है। राजस्थान में डबल इंजन की सरकार होती तो कभी पेपर लीक न होता। माफिया को यहां सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। चुनाव सहानुभूति का नहीं, भविष्य निर्माण का अवसर होता है।

मोदी जी पैसा भेजते हैं, जयपुर में बंदरबांट हो जाता है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीडवाना से भाजपा उम्मीदवार जितेंद्र सिंह जोधा के पक्ष में कमल खिलाने का आह्वान किया। बोले– मोदी जी जो पैसा भेजते हैं, उसका जयपुर में बंदरबांट हो जाता है। पहले आतंकी कहीं भी विस्फोट कर देते थे, निर्दोष लोग मारे जाते थे। आज उनके आकाओं को पता है कि कुछ करेंगे तो भरेंगे भी। पांच वर्ष पहले चुनी गई सरकार यहां के लोगों की वेदना का कारण है। कांग्रेस ने देश में गरीबी, अव्यवस्था व अविश्वास दिया तो मोदी ने हर व्यक्ति के सम्मान की रक्षा की। उन्होंने मातृशक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से आधी आबादी को सम्मान तो दूसरी तरफ तीन तलाक पर हमेशा के लिए ताला लगाने का काम हुआ।

जनविश्वास खो चुकी है कांग्रेस

मुख्यमंत्री रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भी पहुंचे और भाजपा प्रत्याशी अभिनेश महर्षि के लिए वोट मांगा। बोले कि पांच वर्ष पहले भी मैंने अपील की थी, आपने उन्हें जिताया। आज फिर अपील कर रहा हूं। यहां डबल इंजन सरकार बनेगी तो हम राजस्थान के विकास के योगदान देंगे। गोरखपुर का रतनगढ़ से अभिन्न संबंध है। कांग्रेस जनविश्वास खो चुकी है। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल है। कांग्रेस माफिया को नियंत्रित भी नहीं कर सकती है। ऐसे में उसे शासन का अधिकार नहीं है। कोरोना में अभिनेश महर्षि जान की परवाह किए बिना सेवा में लगे रहे। वे कांग्रेस के खिलाफ लड़ते रहे।

निवेश : मेरठ, झांसी, मीरजापुर, लखनऊ व वाराणसी मंडल टॉप पर

पूर्वांचल और बुंदेलखंड रीजन में सीएम योगी के प्रयासों का दिखा बेहतरीन परिणाम

सहयात्री संवाद

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में फरवरी माह में संपन्न हुए उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का परिणाम सरकार की सोच से भी कहीं ज्यादा उत्साहवर्धक साबित हुआ है। लगभग 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को अब धरातल पर उतारने के प्रयास शुरू हो गये हैं। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के प्रथम फेज की तैयारी में जुटी योगी सरकार के प्रयासों से 7.16 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश धरातल पर उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में उद्योग जगत ने बेहतरीन संभावनाएं देखते हुए निवेश करने का फैसला लिया है। हालांकि सभी मंडलों में निवेशकों की रुचि अलग अलग ही देखने को मिली है। मेरठ मंडल में निवेशकों ने सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखाई है। क्रियान्वयन के लिए तैयार निवेश में प्रदेश के टॉप फाइव मंडलों में क्रमशरू मेरठ, झांसी, मीरजापुर, लखनऊ और वाराणसी हैं।

किस मंडल में धरातल पर उतरने जा रहा कितने का निवेश

मेरठ मंडल में सर्वाधिक 2,55,097 करोड़, इसके बाद झांसी मंडल में 91,128 करोड़, मीरजापुर मंडल में 85,104 करोड़, लखनऊ मंडल में 48,770 करोड़, वाराणसी मंडल में 37,372 करोड़, बरेली मंडल में 35,322 करोड़, अयोध्या मंडल में 23,921 करोड़, आगरा मंडल में 23,706 करोड़, कानपुर मंडल में 22,992 करोड़, मुरादाबाद मंडल में 17,833 करोड़, प्रयागराज मंडल में 17,780 करोड़, गोरखपुर मंडल में 15,600 करोड़, सहारनपुर मंडल में 12,413 करोड़, अलीगढ़ मंडल में 9,873 करोड़, चित्रकूट मंडल में 9,213 करोड़, देवीपाटन मंडल में 3,954 करोड़, आजमगढ़ मंडल में 3,400 करोड़ और बस्ती मंडल में 3,018 करोड़ रुपए के निवेश क्रियान्वयन के लिए तैयार हैं।

बुंदेलखंड और पूर्वांचल पर रंग लाई योगी सरकार की मेहनत

कभी बुंदेलखंड और पूर्वांचल यूपी के सबसे पिछड़े इलाके माने जाते थे। योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालने के बाद से ही इन दोनों क्षेत्रों पर विशेष फोकस करते हुए विकास कार्यों को लेकर रणनीति बनाना शुरू किया। बीते छह साल में पूर्वांचल और बुंदेलखंड रीजन से ना सिर्फ डकैतों, माफिया और रंगदारों के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया, बल्कि बेहतर कनेक्टिविटी, विद्युत आपूर्ति जैसी मूलभूत सुविधाओं को भी विकसित करते हुए पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इन प्रयासों का परिणाम अब धरातल पर उतरने जा रहे निवेश के रूप में दिखने जा रहा है। बुंदेलखंड रीजन के अंतर्गत आने वाले झांसी और चित्रकूट मंडल में 1 लाख करोड़ से भी ज्यादा का निवेश क्रियान्वित होने के लिए तैयार है। इस मामले में भी झांसी मंडल प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। इसी प्रकार पूर्वांचल क्षेत्र में मीरजापुर और वाराणसी मंडल टॉप फाइव में शामिल है, इसके अलावा गोरखपुर और आजमगढ़ मंडल में भी भारी भरकम निवेश धरातल पर उतरने के लिए तैयार है। जाहिर है उद्योग जगत को योगी शासन में इन इलाकों में व्यवसाय करने में अब कोई परेशानी नहीं दिख रही है। यही नहीं जिन इलाकों में कभी शाम ढलने के बाद लोग घर से बाहर निकलने से भी डरते थे, वहां उद्योग धंधे स्थापित करने का माहौल बनाने में योगी सरकार को बड़ी सफलता मिली है। सोनभद्र, चंदौली और मीरजापुर में धरातल पर उतरने जा रहा निवेश इसकी गवाही देता है।

कांग्रेस ने तीनों लोक में किया घोटाला,जेपी नड्डा बोले 25 नवंबर को इन्हें उखाड़ फेंकना है

राजस्थान (एजेन्सी)। राजस्थान में प्रचार का आखिरी दौर जारी है। भाजपा वहां लगातार अपनी ताकत लगा रही है। इसी कड़ी में आज भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दांतारामगढ़ में चुनाव प्रचार किया। उन्होंने कहा कि आपकी तालियों की गड़गड़ाहट ये बता रही है कि आपने भाजपा को जिताने का निर्णय ले लिया है और आने वाले 5 साल में राजस्थान की तकदीर और तस्वीर बदलने वाली है। उन्होंने कहा कि जो राजस्थान अपनी पगड़ी के लिए सर्वस्व लुटाने को तैयार रहता है, जो राष्ट्र की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहता है, जो योद्धाओं का राजस्थान है, देशभक्तों और संतों का राजस्थान है, समाज में परिवर्तन लाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले राजस्थान को अशोक गहलोत की सरकार ने पिछले 5 साल में ग्रहण लगा दिया है। अपना राजनीतिक वार करते हुए नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने पनडुब्बी घोटाला किया, हेलिकॉप्टर घोटाला किया, 2ळ घोटाला किया, कोयला घोटाला किया, चावल घोटाला किया। कांग्रेस ने तीनों लोक में घोटाला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत सरकार ने तो वृद्धा पेंशन में भी 450 करोड़ रुपए का घोटाला कर दिया। इन्होंने बुजुर्गों को भी नहीं छोड़ा। अशोक गहलोत के भाई ने किसानों की सब्सिडी वाले फर्टिलाइजर्स को एक्सपोर्ट कर दिया। उन्होंने दावा किया कि जो राजस्थान संस्कारों और शांति के लिए जाना जाता है, आज बलात्कार में नंबर वन हो गया है। इसलिए 25 नवंबर को इन्हें उखाड़ फेंकना है।

पीएम मोदी ने राजस्थान के सागवाड़ा में की चुनावी रैली को संबोधित किया

पीएम मोदी ने सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा दी जा रही गारंटियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के हर झूठे वादे पर, मोदी की गारंटी भारी है

जयपुर (एजेन्सी)। देश के कई राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो रहे हैं। इन्हीं में से एक राज्य राजस्थान भी है। जहां लगातार सभी पार्टिया चुनावी रैलियां करने में व्यस्त है। कांग्रेस और बीजेपी इस समय एक दूसरे के आमने सामने है हर कोई अपनी राज्य में जीत चाहता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार राज्य में रैलिया कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा दी जा रही गारंटियों पर कटाक्ष करते हुए बुधवार को कहा कि कांग्रेस के हर झूठे वादे पर, मोदी की गारंटी भारी है। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस से उम्मीद खत्म होती है, वहां से मोदी की गारंटी शुरू होती है। इसके साथ ही मोदी ने आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का विश्वास जताते हुए कहा कि राजस्थान में अब कभी भी अशोक गहलोत की सरकार नहीं बनेगी। पीएम मोदी सागवाड़ा (डूंगरपुर) में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''मोदी की गारंटी कांग्रेस के हर झूठे वादों पर भारी है। गरीब कल्याण, जनकल्याण को लेकर जहां कांग्रेस से उम्मीद खत्म होती है, वहां से मोदी की गारंटी शुरू होती है। कांग्रेस ने दशकों के अपने शासनकाल में जो सोचा तक नहीं, वह सब बीते 10 साल में आपके सेवक ने देशवासियों के चरणों में समर्पित कर दिया।'' मोदी ने कहा, ''आज मैं मावजी महाराज जी का आशीर्वाद लेते हुए एक भविष्यवाणी करने की हिम्मत कर रहा हूं। इस पवित्र धरती की ताकत है कि मेरे मन में यह विचार आया है और मैं मावजी महाराज से क्षमा मांग कर यह बोलने की हिम्मत कर रहा हूं.. पूरे राजस्थान के लोग लिखकर रख लें... इस बार तो नहीं ... अब राजस्थान में कभी भी अशोक गहलोत की सरकार नहीं बनेगी। कभी भी नहीं। यह मावजी महाराज की धरती से बोले गए शब्द हैं। उन्होंने लोगों से कहा, ''लोकतंत्र ने आपको कुशासन वाली इस कांग्रेस सरकार को बदलने का मौका दिया है। इस मौके को हाथ से जाने नहीं देना है।'' मोदी ने कहा, ''कांग्रेस का सूपड़ा साफ करो. .. राजस्थान को दंगों, अपराधों,

बहनों–बेटियों पर अत्याचार और भ्रष्टाचार से मुक्त करो। राजस्थान से कांग्रेस सरकार की विदाई इसलिए भी जरूरी है ताकि यहां केन्द्र सरकार की हर योजना तेजी से लागू हो। मोदी ने कहा, ''कांग्रेस सरकार ने राजस्थान में हर सरकारी भर्ती में घोटाला किया है। कांग्रेस के पाले हुए पेपर लीक माफिया ने राजस्थान के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है।'' राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होना है जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में सात गारंटियों को शामिल किया है। इनमें परिवार की महिला मुखिया को 10,000 रुपये का वार्षिक सम्मान, 1.05 करोड़ परिवारों के लिए 500 से रुपए में रसोई गैस सिलेंडर।

विश्वकप में भारत की हार के बाद क्रिकेटर रवींद जड़ेजा की पत्नी का आया बयान

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भाजपा विधायक और क्रिकेटर रवींद्र जड़ेजा की पत्नी रीवाबा जाडेजा ने अहमदाबाद में विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली दिल तोड़ने वाली हार के बाद टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में जाकर खिलाड़ियों को सांत्वना देने और उनका मनोबल बढ़ाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की है। गुजरात के जामनगर उत्तर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली रिवाबा जड़ेजा ने एक ट्वीट में कहा कि ड्रेसिंग रूम में प्रधानमंत्री की मौजूदगी उनकी दयालु राजनेता क्षमता को दर्शाती है। उन्होंने ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों का अभिवादन और सांत्वना देते हुए पीएम मोदी का एक वीडियो भी संलग्न किया। उन्होंने मंगलवार को एक्स पर लिखा, श्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का अटूट नेतृत्व जीत और हार के क्षणों में चमकता है।

सुप्रीम कोर्ट की नोटिस पर बोले बाबा रामदेव, मेरे पीछे पड़ा मेडिकल माफिया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। योग गुरु बाबा रामदेव ने बुधवार को दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा पतंजलि आयुर्वेद को कई बीमारियों के इलाज के लिए उसकी दवाओं के बारे में विज्ञापनों में झूठे और भ्रामक दावे करने के खिलाफ चेतावनी देने के बाद मेडिकल माफिया उन्हें निशाना बना रहे हैं और उनके खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम झूठे दावों के आधार पर पतंजलि आयुर्वेद उत्पादों का प्रचार नहीं कर रहे हैं। हमें पांच साल से निशाना बनाया जा रहा है। हम आयुर्वेद की मदद से बीमारियों को नियंत्रित करने और ठीक करने की कोशिश करते हैं लेकिन मेडिकल माफिया लगातार निशाना बना रहे हैं। बाबा रामदेव ने कहा कि पैसा सच और झूठ का फैसला नहीं कर सकता। उनके (एलोपैथी) पास अधिक अस्पताल, डॉक्टर हो सकते हैं और उनकी आवाज अधिक सुनी जा सकती है, लेकिन हमारे पास संतों के ज्ञान की विरासत है, हम गरीब नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कल से अलग–अलग मीडिया साइट्स पर एक खबर वायरल हो रही है कि सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को फटकार लगाई है। SC ने कहा कि अगर आप गलत प्रचार करेंगे तो जुर्माना लगेगा... हम SC का सम्मान करते हैं। लेकिन हम कोई गलत प्रचार नहीं कर रहे हैं। कुछ डॉक्टरों ने एक ग्रुप बना लिया है जो लगातार योग, आयुर्वेद आदि के खिलाफ प्रचार करता रहता है। रामदेव ने साफ तौर पर कहा कि अगर हम झूठे हैं तो हम पर 1000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाएं और हम मौत की सजा के लिए भी तैयार हैं। लेकिन अगर हम झूठे नहीं हैं तो उन लोगों को सजा दें जो सच में झूठा प्रचार कर रहे हैं। पिछले 5 सालों से रामदेव और पतंजलि को निशाना बनाकर प्रोपेगेंडा चलाया जा रहा है। आपको बता दें कि उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु रामदेव द्वारा सह–स्थापित और हर्बल उत्पादों का कारोबार करने वाली कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को कई रोगों के संबंध में अपनी दवाओं के बारे में विज्ञापनों में ''झूठे'' और ''भ्रामक'' दावे करने के प्रति मंगलवार को आगाह किया था। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई करते हुए मौखिक टिप्पणी में कहा, ''पतंजलि आयुर्वेद के ऐसे सभी झूठे और भ्रामक विज्ञापनों को तुरंत रोकना होगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम झूठे दावों के आधार पर पतंजलि आयुर्वेद उत्पादों का प्रचार नहीं कर रहे हैं। हमें पांच साल से निशाना बनाया जा रहा है। हम आयुर्वेद की मदद से बीमारियों को नियंत्रित करने और ठीक करने की कोशिश करते हैं लेकिन मेडिकल माफिया लगातार निशाना बना रहे हैं।

ओटीएस के तहत अब तक 500 करोड़ रुपये राजस्व मिला

विद्युत उपभोक्ताओं के बीच हिट साबित हो रही ओटीएस स्कीम

30 नवंबर तक योजना में रजिस्ट्रेशन कराने वालों को मिलेगा सर्वाधिक लाभ

सहयात्री संवाद

लखनऊ, 22 नवंबर। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिल की बकाया राशि के भुगतान में राहत देते हुए योगी सरकार ने 8 नवंबर को एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) की शुरुआत की थी। उपभोक्ताओं के बीच यह योजना हिट रही है और प्रतिदिन लाखों लोग इस योजना से जुड़ रहे हैं। अब तक इसके तहत करीब 6.25 लाख उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। यही नहीं, इस योजना के तहत प्रदेश सरकार ने अब तक करीब 500 करोड़ रुपए (495 करोड़ से ज्यादा) के राजस्व की वसूली कर ली है।

योजना के तहत दो तरह के लोग इसका लाभ ले रहे हैं। एक ओटीएस

लापरवाही पर अधिशासी अभियंता निलंबित, 10 को चेतावनी

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार गोयल ने बुधवार को दक्षिणांचल डिस्काम के बांदा एवं कानपुर क्षेत्र की समीक्षा करते हुए अपने कर्तव्य एवं दायित्वों को भली–भांति कार्यान्वित न करने के कारण परीक्षण खंड फरूखाबाद के अधिशासी अभियंता को निलंबित कर दिया। साथ ही उन्होंने 2 अधीक्षण अभियंता तथा 08 अधिशासी अभियंताओं को धीमी प्रगति के कारण चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इस माह के अंत में सभी के कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा और जिनकी प्रगति संतोषजनक नहीं होगी उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जिन 8 अधिशासी अभियंताओं को खराब परफॉर्मेंस के लिए चेतावनी दी गई है उसमें सैफई तृतीय, ईडीडी राठ, हमीरपुर, कन्नौज, कायमगंज, इटावा, फरूखाबाद तथा तृतीय महोबा शामिल है। अधीक्षण अभियंता इटावा तथा हमीरपुर को भी चेतावनी दी गई है। अध्यक्ष ने निर्देशित किया है की जनता में इस बात का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए कि ओटीएस योजना में चोरी के प्रकरण पर पहली और आखिरी बार छूट की सुविधा मिल रही है। इसका लाभ लेकर यदि कोई बकाया है तो वह जमा कर दे जिससे उन्हें विद्युत विच्छेदन आदि की कोई समस्या भविष्य में न हो।

नॉर्मल और दूसरा ओटीएस थेफ्ट (जिन पर बिजली चोरी का बकाया है)। यह योजना 08 नवंबर से 31 दिसंबर 2023 तक कुल 54 दिनों तक तीन खंडों में चलेगी। इस योजना का पहला चरण 8 से 30 नवंबर, दूसरा चरण 01 दिसंबर से 15 दिसंबर तथा तीसरा चरण 16 दिसंबर से 31 दिसंबर तक चलेगा। खास बात ये है कि जो उपभोक्ता जल्दी आएंगे, वो ज्यादा लाभ पाएंगे। खासतौर पर 30 नवंबर तक पंजीकरण कराने वाले उपभोक्ताओं को ज्यादा लाभ मिलेगा।

बड़ी संख्या में योजना से जुड़ रहे लोग

उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लि. (यूपीपीसीएल) के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल के अनुसार, इस योजना को लेकर सभी डिस्कॉम्स में लोगों के बीच उत्साह देखा जा रहा है। पहले चरण में ही 6.25 लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन कराना इसका उदाहरण है। प्रतिदिन लाखों लोग योजना से जुड़कर अपने बकाये का एकमुश्त समाधान करा रहे हैं। प्रदेश सरकार की ओर से लोगों को राहत देने के लिए इस योजना की शुरुआत की गई है।

सम्पादकीय

खतरे का खनन

इसमें दो राय नहीं कि कुदरत द्वारा प्रदत्त उपहारों में पानी के बाद रेत ही प्राकृतिक संसाधन है जो मौजूदा दौर में सबसे ज्यादा उपयोग में लाया जाता है। दरअसल, यह हमारे आसपास तेज होते निर्माण कार्यों की जरूरत के चलते भी हुआ है। लेकिन प्राकृतिक संसाधनों की देशव्यापी लूट के चलते नदियों से रेत खनन इतने अवैज्ञानिक तरीके से होता है कि यह कालांतर जन–धन की क्षति का कारण साबित होने लगता है। दरअसल, नदी तल से निकाले जाने वाले रेत का हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र पर खासा प्रतिकूल असर पड़ता है। हमारे पर्यावरण पर इसका नकारात्मक प्रभाव दूरगामी होता है। समय–समय पर हुए अध्ययन इस बात पर बल देते हैं कि नदियों के तटों से निकाली जाने वाली रेत का नियमन होना चाहिए क्योंकि उचित नियमन न होने के परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। इस बात की पुष्टि हाल ही में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान यानी आईआईटी की रोपड़ शाखा ने एक नये अध्ययन में की है। यह अध्ययन बताता है कि ब्यास नदी के तटों पर यदि वैज्ञानिक तौर–तरीकों से रेत का खनन किया जाए तो मानसून के दौरान पंजाब में बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। दरअसल, अंधाधुंध खनन से नदी के पानी की धारा अवरुद्ध होती है और मानसूनी बारिश का पानी नदियों में उफान मारकर बस्तियों की ओर बहने लगता है। खनन से नदियों के तटबंध भी प्रभावित होते हैं। यदि शासन–प्रशासन कायदे से खनन की अनुमति दे तो मानवीय व फसलों की क्षति को टाला जा सकता है। दरअसल, मानसून में अथाह जलराशि को अपना रास्ता मिलने से वह अपने प्राकृतिक प्रवाह के अनुरूप रहती है। नदी की भंडारण क्षमता अधिक होती है और नियंत्रित खनन से तटवर्ती शहरों व गांवों का नुकसान कम करना संभव है। दरअसल, लगातार अवैध खनन से नदियों के किनारों पर खाइयां बन जाती हैं। जो नदी के स्वाभाविक प्रवाह को बाधित करती हैं। जरूरी है कि रेत खनन को तार्किक बनाए जाने के लिये इसका गुणात्मक व मात्रात्मक डेटा जुटाया जाए। दरअसल, पंजाब सरकार द्वारा मानसून के बाद नदियों और उसके किनारे तलछट जमा होने में पायी जाने वाली भिन्नता के आकलन के लिये आईआईटी रोपड़ की सेवाएं ली गई थी। आईआईटी की टीम ने रेत खनन में पारदर्शिता लाने के लिये एक प्रभावी नियामक तंत्र बनाने का सुझाव दिया था। इसमें ड्रोन का उपयोग करके नदी तल का मानचित्रण भी शामिल था। यह कदम नदी तलों पर खनन की वास्तविक स्थिति को बताने में सक्षम है। अध्ययन में यह बात भी सामने आई कि इस संकट को दूर करने के लिये रेत माफिया पर भी अंकुश लगाने का प्रयास किया जाए। साथ ही रेत की नीलामी और खनन की स्थिति के डिजिटलीकरण पर भी बल दिया गया। जिससे यह पता लगाया जा सकेगा कि नदी के किनारे के आसपास रेत खरीदी गई है या नहीं। इसके साथ निर्माण की गुणवत्ता के लिये रेत के ग्रेड निर्धारण का भी सुझाव दिया गया है। निस्संदेह, इस दिशा में व्यापक अनुसंधान वक्त की जरूरत है। जो पर्यावरण संरक्षण, बुनियादी निर्माण ढांचे को सुरक्षा प्रदान करने और अन्य सामग्री के नियमन के लिये भी जरूरी है। आईआईटी रोपड़ की इस भूमिका का स्वागत किया जाना चाहिए। एक ओर इस प्रयास से जहां अवैध खनन की रोकथाम में मदद मिलेगी, वहीं हर साल मानसून के दौरान फसलों व जन–धन की हानि को कम किया जा सकेगा। निस्संदेह, पंजाब में रेत और खनिजों के खनन की अपार संभावना है। जो राज्य की अर्थव्यवस्था को भी गति देने में सहायक साबित हो सकती है। जरूरत इस बात की है कि खनन की प्राथमिकताओं का निर्धारण किया जाए। इसकी नीलामी में पारदर्शिता और बेहतर प्रबंधन से बेहतर परिणाम आर्थिक व पर्यावरणीय दृष्टि से हासिल किये जा सकते हैं। साथ ही दिशा–निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिये नदी की चौड़ाई व पुनरू रेत पूर्ति की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए खनन स्थलों की निगरानी की जानी चाहिए। यह हमारे पर्यावरण संतुलन की अपरिहार्य शर्त भी है। शासन–प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करने की सख्त जरूरत है।

बाबा' की फरलो

बाबा गुरमीत राम रहीम की लीला अपरम्पार है। रोहतक की सुनारिया जेल में हत्या और साध्वियों से बलात्कार के मामले में 20 साल की सजा काट रहे ढोंगी बाबा की 21 दिन की फरलो मंजूर हो गई है। 21 महीने में यह आठवीं छुट्टी है। इससे पहले डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को दो बार पैरोल मिल चुकी है। पैरोल खत्म होने के बाद उसने फरलो की अर्जी लगाई थी जो स्वीकार कर ली गई है। फरलो के दौरान वह उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित आश्रम में रहेगा। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के दोषी गुरमीत राम रहीम को 28 अगस्त, 2017 को 20 साल की सजा सुनाई गई थी और फिर 17 जनवरी, 2019 को पत्रकार रामचन्द्र छत्रपति की हत्या के जुर्म में कोर्ट ने उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हत्यारे और बलात्कारी को इतनी जल्दी–जल्दी फरलो मिलने से सवाल खड़े होने लगे हैं। भारत की जेलों में हजारों लोग ऐसे हैं जो मामूली अपराधों में जेल की सलाखों के पीछे बंद हैं लेकिन वह अपने लिए जमानत का प्रबंध नहीं कर सके, इसलिए उन्हें जेल में नाकरीय जीवन बिताना पड़ रहा है। अनेक विचाराधीन कैदी ऐसे हैं जिनके मामलों का फैसला नहीं हुआ है। कानूनी प्रक्रिया की खामियों के चलते कई बार निर्दोष लोगों को खुद को निर्दोष साबित करने में कई–कई साल लग जाते हैं। कानून का मूलभूत सिद्धांत है कि न्याय होना ही नहीं बल्कि न्याय होता दिखाना भी चाहिए लेकिन ऐसा नजर कहीं नहीं आ रहा। जेलें सियासी तौर पर प्रभावशाली और आर्थिक रूप से सम्पन्न लोगों और बाहुबलियों के लिए ऐशगाहें बन चुकी हैं। उन्हें जेल के भीतर भी वही सुविधाएं उपलब्ध होती हैं जो बाहर रहकर आसानी से मिल जाती हैं। अब सवाल उठता है कि यह कैसा कानून है, यह कैसी सजा है जिसमें गम्भीर अपराधों में सजा काट रहे व्यक्ति को बार–बार छुट्टी घमिल जाती है तोघ फिर सजा का कोई अर्थ ही नहीं रह जाता। पैरोल के दौरान ढोंगी बाबा सत्संग करता है, अपने भक्तों को उपदेश देता है, अपने आश्रम की सम्पत्तियों की देखरेख और प्रबंधन करता है, परिवारजनों से मिलता है और छुट्टी बिताकर जेल में चला जाता है। कहने को तो गुरमीत राम रहीम एक धर्मगुरु था लेकिन शौक हरफनमौला वाले थे। एक्टर, डाटरैक्टर, प्रोड्यूर, संगीतकार, गीतकार, गायक, लेखक, रॉकस्टार और मेसैंजर ऑफ गॉड। इतने गुणों वाले बाबा को देखकर लोगों का प्रभावित होना स्वाभाविक था। बाबा इंटीरियर डिजाइनिंग में भी माहिर था। डेरे के सारे इंटीरियर उसने खुद ही डिजाइन किए थे। डेरा का आर्किटेक्ट भी बाबा ही है। अपने कपड़ों को भी बाबा खुद ही डिजाइन करता था। बाबा के पांच करोड़ अनुयायी हैं। अब ऐसे रंग– बिरंगे, मस्तमौला, सर्वगुण संपन्न बाबा की भक्ति कौन नहीं करना चाहेगा। भक्ति न सही लेकिन एक बार पलटकर तो देख ही लेगा। गाड़ियों का शौक भी बाबा खूब रखता था लेकिन जानने वाली बात ये है कि अपनी गाड़ियों को नया–नया रंग–रूप भी खुद बाबा ही देता था। जब पुलिस बाबा के गैरेज में पहुंची, तो वहां बाबा के कपड़ों की तरह रंग–बिरंगा चोला ओढ़े अजीबोगरीब गाड़ियां मिलीं। आम जनता ही नहीं बल्कि हर राजनीतिक दल के बड़े नेता इस बाबा के आगे नतमस्तक होते थे। सियासतदानों ने ही इन्हें पाला–पोसा। पैसे और पॉवर ने इन्हें करप्ट बना दिया। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने बाबा की फरलो पर सवाल उठाते हुए कहा है कि गुरमीत राम रहीम को बार–बार फरलो मिल रही है, जबघकि बंदी सिखों की रिहाई के लिए बरसों से सिख कौम द्वारा उठाई गई आवाज सरकारों को सुनाई नहीं दे रही।

खंडहर, मलबे और अंधेरे में गाजा, पहचानना भी हुआ मुश्किल

शिव शरण शुक्ला

हमारा काफिला उसी बाड़ के टूटे हिस्से से होकर गाजा में दाखिल हुआ, जिसे हमास के लड़ाकों ने इस्राइल में दाखिल होने के लिए तोड़ दिया था। गाजा में प्रवेश करने का मतलब अंधेरे में प्रवेश करना था। इस क्षेत्र के ज्यादातर हिस्सों में ईंधन की कमी हो गई है। इस्राइल द्वारा बिजली बंद करने और ईंधन आयात को बाधित करने के बाद मजबूरन गाजा के बिजली संयंत्र को बंद करना पड़ा। सभी गांवों में जो घर सुरक्षित बचे थे, वे अंधेरे में डूबे हुए थे। ड्राइवरों ने इस्राइली सैनिकों पर ग्रेनेड एवं एंटी–टैंक मिसाइलों से हमला करने वाले लड़ाकों द्वारा देख लिए जाने के भय से अपनी गाड़ियों की हेडलाइट्स बंद कर दी। बस केवल आसमान में टिमटिमाते तारों की रोशनी बची थी। साथ ही, इस्राइली सैनिकों द्वारा युद्ध के मैदान को रोशन करने के लिए कभी–कभार फायरिंग भी की गई। सड़क के किनारे जीवन का एकमात्र संकेत देने वाले इस्राइली पैदल सैनिक थे, जो रणनीतिक फासले पर मार्ग की सुरक्षा कर रहे थे।

अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के एक समूह में जब इस्राइली सेना की जीप पर हम बीते शुक्रवार की सुबह गाजा शहर के दक्षिणी किनारे पर पहुंचे, तो हमें खंडहरों, मलबों और अंधेरे के बीच रास्ता तलाशने के लिए संघर्ष करना पड़ा। इस्राइल से निकले हमें एक घंटे से भी कम समय हुआ था, जब हमारी जीप 42 दिनों के हवाई हमलों और करीब तीन हफ्ते की जमीनी लड़ाई से बर्बाद हो चुके इलाके से गुजर रही थी, और हमारे लिए यह पता करना मुश्किल था कि हम कहां हैं। घरों की दीवारें या छतें या दोनों गायब थीं। कई घर ताश के पत्तों की तरह एक–दूसरे पर पड़े थे। पिछले तीन वर्षों में करीब एक दर्जन बार मैंने इस इलाके की यात्रा की है। पर अब इसे मुश्किल से ही पहचाना जा सकता है। मुझे एहसास हुआ कि अपार्टमेंटों के ब्लॉक गोलीबारी या हमलों से बर्बाद हो गए थे। पूरे इलाके में फैले इस्राइली टैंकों और बख्तरबंद वाहनों की आवाजाही के कारण सड़कें रेतीली और उबड़–खाबड़ हो गई हैं। यदि कुछ स्थिर है, तो वह है समुद्र। फलस्तीनियों और कई अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों के अनुसार, आवासीय व वाणिज्यिक इलाकों में ऐसी व्यापक क्षति का कारण गाजा पर इस्राइल के अंधाधुंध हमले हैं, जिनमें गाजा के अधिकारियों के अनुसार, लगभग 12,000 लोग मारे गए और 40,000 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है। हमारे साथ चल रहे कमांडरों ने इसे सशस्त्र फलस्तीनी समूह हमास के खिलाफ, जो आम लोगों के घरों में छिप गए थे, शहरी लड़ाई लड़ने की अपरिहार्य लागत कहा। अब इस इलाके पर नियंत्रण करने वाले ब्रिगेड के डिप्टी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल टॉम पेरेट्स ने कहा, श्हमारे ऊपर हर तरफ से गोलियां चलाई गईं। हमें उसका जवाब देना था।श वह कहते हैं कि विगत सात अक्तूबर को हमास द्वारा हमला किए जाने (जिसमें इस्राइली अधिकारियों के अनुसार, 1,200 लोग मारे गए और 240 लोगों को बंधक बना लिया गया) के बाद इस्राइल के पास इस इलाके पर फिर से हमला करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। हमारी यात्रा एक इस्राइली गांव बेरी से शुरू हुई थी, जिसे हमास के बर्बर हमले का सामना करना पड़ा था और जहां के लोग तब से पूरे देश में विस्थापित हो गए हैं। हमास के लड़ाकों द्वारा चलाई गई गोलियों के निशान अब भी घरों में देखे जा सकते हैं। सेना की गाड़ी से यात्रा करने से पहले हमें गाड़ी की या किसी सैनिक की फोटो न लेने और गाजा पहुंचने पर अपना फोन बंद रखने की शर्तें माननी पड़ीं, ताकि हम युद्ध के समय गाजा के अंदर के जीवन की झलक पा सकें। अन्यथा इस क्षेत्र में रिपोर्टिंग करना बेहद मुश्किल है। हमारा काफिला उसी बाड़ के टूटे हिस्से से होकर गाजा में दाखिल हुआ, जिसे हमास के लड़ाकों ने इस्राइल में दाखिल होने के लिए तोड़ दिया था। गाजा में प्रवेश करने का मतलब अंधेरे में प्रवेश करना था। इस क्षेत्र के ज्यादातर हिस्सों में ईंधन की कमी हो गई है। इस्राइल द्वारा बिजली बंद करने और ईंधन आयात को बाधित करने के बाद मजबूरन गाजा के बिजली संयंत्र को बंद करना पड़ा। सभी गांवों में जो घर सुरक्षित बचे थे, वे अंधेरे में डूबे हुए थे। ड्राइवरों ने इस्राइली सैनिकों पर ग्रेनेड एवं एंटी–टैंक मिसाइलों से हमला करने वाले लड़ाकों द्वारा देख लिए जाने के भय से अपनी गाड़ियों की हेडलाइट्स बंद कर दी। बस केवल आसमान में टिमटिमाते तारों की रोशनी बची थी। साथ ही, इस्राइली सैनिकों द्वारा युद्ध के मैदान को रोशन करने के लिए कभी–कभार फायरिंग भी की गई। सड़क के किनारे जीवन का एकमात्र संकेत देने वाले इस्राइली पैदल सैनिक थे, जो रणनीतिक फासले पर मार्ग की सुरक्षा कर रहे थे। गाजा के उत्तरी इलाके से दस लाख से ज्यादा लोग अपना घर छोड़कर पलायन कर गए हैं और पूरा इलाका खाली कर दिया है। कुछ लोग जो पीछे छूट गए हैं, उन्हें किसी तरह की मदद न मिलने का जोखिम है। 39 वर्षीय अहमद खालिद ने, जो उत्तरी इलाके में रुके हुए हैं, हमारे सहयोगी को फोन पर बताया, श्हर कोई घर खाली नहीं कर सकता, मेरी मां बीमार है और चल नहीं सकती, इसलिए मैं उसे अकेले नहीं छोड़ सकता।श उन्होंने बताया कि एंबुलेंस को कभी–कभी यहां आने में दो दिन लग जाते हैं, तो कभी–कभी वह आता ही नहीं। यदि रात में हमें उसकी जरूरत पड़ जाए, तो उसके आने का कोई रास्ता नहीं है। गाजा शहर में पहुंचने के बाद हमने खुली जीप छोड़ दी और एक बख्तरबंद वाहन में सवार हुए, जो इसका संकेत है कि वहां अब भी इस्राइल के विरोधी हैं। कुछ देर बाद हम गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पहुंचे, जिसके विशाल परिसर के कुछ हिस्से पर इस्राइल ने कब्जा कर लिया है और अब वहां युद्ध में विस्थापित हुए लोगों के तंबू भरे पड़े हैं। अल–शिफा अस्पताल इस्राइली हमले का प्रमुख निशाना था, क्योंकि इस्राइलियों का कहना है कि यह हमास द्वारा उपयोग किए जाने वाले भूमिगत सैन्य परिसर के ऊपर स्थित है। इस्राइल अपने हमले को अंतरराष्ट्रीय वैधता दिलाने के लिए पत्रकारों के सामने यह साबित करना चाहता है कि अस्पताल का वास्तव में सैन्य परिसर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन हमास एवं अस्पताल नेतृत्व ने इसे खारिज कर दिया है। हम इस्राइली विशेष बलों के साथ बमों से ध्वस्त इमारत और मलबों के बीच से रास्ता बनाते हुए परिसर में पहुंचे। अंदर हमें इस्राइली सैनिकों का एक दस्ता सोता हुआ मिला। कुछ दूरी पर अस्पताल की खिड़कियों से रोशनी चमक रही थी। इस्राइलियों ने हमसे कहा कि यह इस बात का सबूत है कि हमारी उपस्थिति में भी अस्पताल अपना काम कर रहा है। लेकिन हमें अस्पताल की स्थिति जानने के लिए अस्पताल प्रबंधन से फोन पर बात करने की इजाजत नहीं दी गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि इस हफ्ते अल–शिफा ने अस्पताल के रूप में काम करना बंद कर दिया है। अस्पताल में अपनी मौजूदगी को उचित ठहराने की कोशिश करते हुए सैनिक हमें मैदान में पत्थर एवं कंकरीट से तैयार सुरंग दिखाने ले गए, जहां से एक सीढ़ी नीचे उतर रही थी। उन्होंने कहा कि यह सबूत है कि अस्पताल के नीचे हमास के सैन्य ठिकाने हैं। इस्राइली सेना विस्फोटकों के डर के कारण नीचे नहीं उतरी। अंधेरे में यह स्पष्ट नहीं था कि सुरंग कहां और कितनी गहराई तक थी। जब हम वहां से निकले, तब भी सुरंग की पहेली नहीं सुलझी। पास में लड़ाई भी चल रही थी और गोलियों की आवाजें आ रही थीं। हमारा काफिला उसी बाड़ के टूटे हिस्से से होकर गाजा में दाखिल हुआ, जिसे हमास के लड़ाकों ने इस्राइल में दाखिल होने के लिए तोड़ दिया था। गाजा में प्रवेश करने का मतलब अंधेरे में प्रवेश करना था। इस क्षेत्र के ज्यादातर हिस्सों में ईंधन की कमी हो गई है। इस्राइल द्वारा बिजली बंद करने और ईंधन आयात को बाधित करने के बाद मजबूरन गाजा के बिजली संयंत्र को बंद करना पड़ा। सभी गांवों में जो घर सुरक्षित बचे थे, वे अंधेरे में डूबे हुए थे। ड्राइवरों ने इस्राइली सैनिकों पर ग्रेनेड एवं एंटी–टैंक मिसाइलों से हमला करने वाले लड़ाकों द्वारा देख लिए जाने के भय से अपनी गाड़ियों की हेडलाइट्स बंद कर दी। बस केवल आसमान में टिमटिमाते तारों की रोशनी बची थी। साथ ही, इस्राइली सैनिकों द्वारा युद्ध के मैदान को रोशन करने के लिए कभी–कभार फायरिंग भी की गई। सड़क के किनारे जीवन का एकमात्र संकेत देने वाले इस्राइली पैदल सैनिक थे, जो रणनीतिक फासले पर मार्ग की सुरक्षा कर रहे थे। गाजा के उत्तरी इलाके से दस लाख से ज्यादा लोग अपना घर छोड़कर पलायन कर गए हैं और पूरा इलाका खाली कर दिया है। कुछ लोग जो पीछे छूट गए हैं, उन्हें किसी तरह की मदद न मिलने का जोखिम है। 39 वर्षीय अहमद खालिद ने, जो उत्तरी इलाके में रुके हुए हैं, हमारे सहयोगी को फोन पर बताया, श्हर कोई घर खाली नहीं कर सकता, मेरी मां बीमार है और चल नहीं सकती, इसलिए मैं उसे अकेले नहीं छोड़ सकता।श उन्होंने बताया कि एंबुलेंस को कभी–कभी यहां आने में दो दिन लग जाते हैं, तो कभी–कभी वह आता ही नहीं। यदि रात में हमें उसकी जरूरत पड़ जाए, तो उसके आने का कोई रास्ता नहीं है। गाजा शहर में पहुंचने के बाद हमने खुली जीप छोड़ दी और एक बख्तरबंद वाहन में सवार हुए, जो इसका संकेत है कि वहां अब भी इस्राइल के विरोधी हैं। कुछ देर बाद हम गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पहुंचे, जिसके विशाल परिसर के कुछ हिस्से पर इस्राइल ने कब्जा कर लिया है और अब वहां युद्ध में विस्थापित हुए लोगों के तंबू भरे पड़े हैं। अल–शिफा अस्पताल इस्राइली हमले का प्रमुख निशाना था, क्योंकि इस्राइलियों का कहना है कि यह हमास द्वारा उपयोग किए जाने वाले भूमिगत सैन्य परिसर के ऊपर स्थित है।

मीडिया को भी गहरे आत्ममंथन की जरूरत है

बेशक लगभग हाथ आई विश्वकप ट्रॉफी के यूं अचानक छिन जाने का गम भारतीय क्रिकेट टीम और क्रिकेट प्रेमियों को बरसों सताता रहेगा। इस हार के बाद टीम रोहित के सदस्यों की आंखों से आंसू छलक पड़े तो यह स्वाभाविक ही था, क्योंकि इस अकेले मैच ने टीम के अब तक के किए कराए पर पानी फेर दिया था। लेकिन असली सवाल तो यह है कि क्या इस वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत की जीत को लेकर देशभर में चार दिनों से जो मीडिया हाइप बनाया जा रहा था,

अजय बोकिल

ऑस्ट्रेलिया आईसीसी वनडे विश्वकप टूर्नामेंट में छठी बार चौम्पियन बनी। फाइनल में बीस साल पुरानी हार का बदला लेना तो दूर भारतीय टीम अपना वो स्वाभाविक खेल भी नहीं दिखा पाई, जिसके लिए सेमीफाइनल तक अपनी अजेयता के लिए वह जानी जा रही थी। लेकिन फाइनल में जो मुकाबला टूर्नामेंट की तब तक नंबर वन और नंबर टू टीमों में होने जा रहा था, वह नतीजे आने तक रिवर्स में बदल गया। भारतीय टीम के हार के कारणों का विश्लेषण शुरू हो गया है, आगे भी होता रहेगा। लेकिन इस समूचे विश्वकप टूर्नामेंट में और खासकर फाइनल के पहले भारत की जीत को लेकर मीडिया और खासकर इलेक्ट्रॉनिक–सोशल मीडिया में जिस तरह का भयंकर हाइप और उन्माद भड़काने कोशिश की गई, उससे उनकी टीआरपी और हिट्स भले बढ़े हों, भारतीय क्रिकेट टीम पर इतना नकारात्मक दबाव बन गया कि वो फाइनल में ठीक से खेल ही नहीं सके। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि फाइनल मैच में भारत की हार मात्र दो–चार रन अथवा एक–दो विकेट से नहीं, पूरे छह विकेट से हुई। पूरे मैच के दौरान कहीं महसूस नहीं हुआ कि भारतीय टीम ने विश्वकप ट्रॉफी कब्जाने के लिए जी जान लगा दी हो। पूरा मैच लगभग एकतरफा ही लगा। टॉस हारने के बाद मैच जीतने को लेकर भारत की वैकल्पिक रणनीति क्या थी, वह भी नजर नहीं आई। ऐसा महसूस हो रहा था मानो टूर्नामेंट के अंतिम निर्णायक मैच में बल्लेबाज गेंदबाजों के और गेंदबाज, बल्लेबाजों के भरोसे बैठे थे तथा फील्डिंग के मामले में खिलाडिघ्यों को उनकी मर्जी पर छोड़ दिया गया था। बेशक लगभग हाथ आई विश्वकप ट्रॉफी के यूं अचानक छिन जाने का गम भारतीय क्रिकेट टीम और क्रिकेट प्रेमियों को बरसों सताता रहेगा। इस हार के बाद टीम रोहित के सदस्यों की आंखों से आंसू छलक पड़े तो यह स्वाभाविक ही था, क्योंकि इस अकेले मैच ने टीम के अब तक के किए कराए पर पानी फेर दिया था। लेकिन असली सवाल तो यह है कि क्या इस वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत की जीत को लेकर देशभर में चार दिनों से जो मीडिया हाइप बनाया जा रहा था, वह कितना वास्तविक और जायज था? यह सही है कि बाजारवाद के जमाने में आज हर इंवेट का बाजार पक्ष पहले देखा जाता है, लेकिन इससे इंवेट से जुड़े मूल कारकों पर कितना नकारात्मक असर होता है, इस बारे में शायद ही कोई सोचता है। इसमें मीडिया भी शामिल है। बेशक भारतीय क्रिकेट टीम ने फाइनल में कुछ रणनीतिक गलतियां कीं, इसीलिए हारे, लेकिन टीम नेतृत्व के सही निर्णय और खिलाड़ियों के अपने स्वाभाविक खेल से भटकने के पीछे वजह हर हाल में जीत हासिल करने का वह कृत्रिम दबाव भी है, जिसकी कतई जरूरत नहीं थी। जीत के नगाड़े सचमुच जीत हासिल करने के बाद भी बजाए जा सकते थे। पता नहीं सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड पर धमाकेदार जीत के बाद भारतीय वनडे क्रिकेट टीम के सदस्यों ने टीवी चौनलों को कितनी बार देखा होगा, सोशल मीडिया पर कितनी बार क्लिक किया होगा, किया भी होगा या नहीं। इस दौरान क्या– क्या नहीं हुआ? खिलाड़ियों के घर परिवार वालों को खंगाला गया, पूजा, हवन, दुआएं करवाई गईं। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम के गेट से लेकर जहां खिलाड़ी ठहरे थे, उस होटल से निकलने वाली गाड़ियों के लाइव कवरेज से लेकर नीली जर्सी पहने हर शख्स को भारतीय टीम के हरकारे के रूप में पेश करने की कोशिशें हुई। पूरे कवरेज में टीवी एंकरों की अदा यूं थी कि मानो विश्व कप की ट्रॉफी का पार्सल भारतीय कप्तान के नाम आ चुका है, बस ऑनलाइन पेंमेंट की जरूरत है। एक बड़े न्यूज चौनल ने भारतीय टीम की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री को देने तक की तैयारी कर ली थी तो कुछ ने क्रिकेट वर्ल्ड कप की जीत को भारत के विश्व गुरू बनने और इस जीत के राजनीतिक समीकरणों को बताने का खाका भी तैयार कर लिया था, दुर्भाग्य से वैसी नौबत ही नहीं आई। कुछ अखबारों ने इस क्रिकेट मैच को 'धर्मयुद्ध' और 'विश्व विजय' की संज्ञा तक दे डाली (बावजूद इस सच्चाई के कि दुनिया में क्रिकेट सिर्फ एक दर्जन देश ही खेलते हैं और फुटबाल 195 देशों में खेला जाता है, जिसमें विश्वस्तर पर हम कहीं नहीं हैं)। मीडिया के लगभग हर फार्मेट में ऑस्ट्रेलिया से बदला लेने के लिए भारतीय टीम को उसी तरह उकसाया जा रहा था, जैसे कि आंतकी हमले का बदला पाकिस्तान को सबक सिखाने के रूप में लेने की बात की जाती है। टीवी चौनलों की हर संभव कोशिश यही थी कि दर्शक की उंगली रिमोट के उसी बटन पर रहे, जो उस चौनल का नंबर है। सोशल मीडिया इस मामले में सबसे आगे था। कुछ अति उत्साही यूजरों ने यह सिद्ध करने की भी कोशिश की कि वर्ल्ड कप में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत का दिल्ली में सत्तासीन राजनीतिक दल का कैसे सीधा सम्बन्धा है। इसमें वो साल गिनाए गए, जब भारत आईसीसी टूर्नामेंट जीता और उस वक्त दिल्ली में किस पार्टी की सरकार थी।

राजनीतिक विचारधारा और सत्तासीनता का क्रिकेट में भारत के परफार्मेंस से कोई सीधा रिश्ता हो। दरअसल इस तरह का उन्माद पैदा करना और जमीनी हकीकत को दरकिनार करना झूठ के स्वर्ग में जीने की कोशिश करना भी एक तरह सामूहिक मानसिक रोग है। इसकी एक झलक फाइनल मैच में भी उस वक्त दिखाई दी जब विराट कोहली दर्शकों को और जोर से हल्ला मचाने के लिए उकसाते दिखे। विराट जैसे महान खिलाड़ी को इस बात पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित करना चाहिए था कि हमारे खिलाड़ी अपना स्वाभाविक खेल कैसे खेलें और ऑस्ट्रेलिया के जाल से बाहर कैसे निकलें, न कि दर्शकों को ज्यादा हल्ला करने के लिए उकसाना। इसी से साबित हो गया था कि हमारे खिलाड़ियों का ध्यान खेल से ज्यादा कहीं और है तथा उन्हें जीत के लिए खुद के खेल से ज्यादा भरोसा दूसरे कारकों पर है। मनोविश्लेषकों का कहना है कि भारतीय क्रिकेट टीम एक बार फिर श्फियर ऑफ फेल्योरश (हार के डर) का शिकार हुई। ऐसी मनोस्थिति में इंसान का सही रास्ते पर चलते हुए भी अपने आप पर विश्वास डगमगाने लगता है। हमारे बल्लेबाजों ने जिस लापरवाह ढंग से अपने विकेट गंवाए, फील्डरों ने बहुत सुविधाजनक फील्डिंग की, हालांकि गेंदबाजों की गेंदबाजी में कसर नहीं थी, लेकिन विकेट को पढ़ने में जो गलती शुरू में नेतृत्व से हो गई थी, उसका कोई तोड़ बॉलरों के पास नहीं था। साफ झलक रहा था कि लगभग पूरी टीम एक अदृश्य दबाव में खेल रही है, खिलाड़ी गलती पर गलती किए जा रहे हैं और अपने विश्वविजेता होने के काल्पनिक मायाजाल में भटक रहे हैं। कहा यह भी जा रहा है कि फाइनल के दिन किस्मत भारत का साथ छोड़ चुकी थी, लेकिन इतना तो हो ही सकता था कि जीत को लेकर गैरजरूरी और हद तक घातक 'हाइप' को रोका ही जा सकता था। क्रिकेट टीम की इस मार्मिक हार से मीडिया को इतना आत्ममंथन तो करना ही चाहिए कि वह अपनी भूमिका को खेल को खेल भावना से ही खेलने देने तक ही तक ही सीमित रखे, उसे युद्धोन्माद में तब्दील करने में ईंधन का काम न करे। बेशक लगभग हाथ आई विश्वकप ट्रॉफी के यूं अचानक छिन जाने का गम भारतीय क्रिकेट टीम और क्रिकेट प्रेमियों को बरसों सताता रहेगा। इस हार के बाद टीम रोहित के सदस्यों की आंखों से आंसू छलक पड़े तो यह स्वाभाविक ही था, क्योंकि इस अकेले मैच ने टीम के अब तक के किए कराए पर पानी फेर दिया था।

ऑस्ट्रेलिया से बड़े मैच जीतने की कला सीखें भारतीय खिलाड़ी

विनोद पाठक

अंततः ऑस्ट्रेलिया ने क्रिकेट वर्ल्ड कप–2023 अपने नाम कर भारत का विजय रथ थाम दिया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के मायूस होते हुए छलके आंसू के वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। इस वर्ल्ड कप में लगातार 10 मैच जीतने वाली भारतीय टीम को बड़े फाइनल जीतने की कला सीखनी होगी। अहमदाबाद में भी भारतीय खेमे से कई चुक हुईं और वर्ल्ड कप हाथ से फिसल गया। भारत ने मैच में यह पांच गलतियां न दोहराई होतीं तो नतीजा कुछ और होता। पहला, कप्तान रोहित शर्मा बेहतरीन फॉर्म में दिख रहे थे। उन्होंने ग्लेन मैक्सवेल के ओवर में लगातार दो गेंदों पर 10 रन बनाए, जिसमें एक चौका और छक्का शामिल है, लेकिन यहां वो धैर्य खो बैठे। एक और छक्के के प्रयास में ट्रेविस हेड के एक बेहतरीन कैच द्वारा आउट हो गए। यदि रोहित शर्मा थोड़ा सा धैर्य रखते तो निश्चित रूप से मैच की स्थिति कुछ और हो सकती थी। दूसरा, इस वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में भी भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से हुआ था। शुरुआत में 2 रन के स्कोर पर भारत ने तीन विकेट गंवा दिए थे और मैच को विराट कोहली और के. एल. राहुल ने संभाला था। इस बार भी इन दोनों बल्लेबाजों के कंधों पर ही पूरा भार आ गया था, लेकिन विकेट बचाए रखने के चक्कर में दोनों जरूरत से ज्यादा धीमा खेले। पूरा दबाव टीम पर आ गया। एक खराब शॉट खेलते हुए विराट कोहली आउट हो गए और टीम लड़खड़ा गई। मिडिल ऑर्डर की नाकामी भारत को भारी पड़ी, क्योंकि बीच के ओवर्स में भारत ने कोई खास स्कोर नहीं बनाया। जहां 10.2 ओवर में भारत का स्कोर 81 रन था, वहीं 35.5 ओवर में यह 178 रन ही बना, यानी भारत ने 25 ओवरों में 100 रन भी नहीं जोड़े। तीसरा, भारत की फील्डिंग बेहद खराब रही। जसप्रीत बुमराह की पहली गेंद पर ही डेविड वार्नर के बल्ले से गेंद लगकर स्लिप में गई थी, लेकिन फर्स्ट स्लिप पर खड़े विराट कोहली उसे देखते रह गए, जबकि उन्हें कैच की कोशिश करनी चाहिए थी। यदि पहली गेंद पर विकेट गिर जाता तो ऑस्ट्रेलिया भारी दबाव में आ जाती। विकेट कीपिंग भी बेहद खराब रही। के.एल. राहुल पूरे मैच के दौरान आसान से अवसर छोड़कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर कार्ड बढ़ते रहे। बाय के रनों की बदौलत ही ऑस्ट्रेलिया को एक मनोवैज्ञानिक लाभ मिला और भारत ने एक्स्ट्रा में 18 रन दे दिए। चौथा, पूरे टूर्नामेंट में जिस शक्तिशाली गेंदबाजी के भरोसे भारत जीतता आ रहा था, वो सेमीफाइनल के बाद फाइनल में भी फुस्स साबित हुई। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय स्पिनरों की पोल खुली थी और वो 20 ओवर में एक विकेट ही ले पाए थे। कुछ यही कहानी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी हुई। रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव ने 20 ओवर कराए और दोनों को कोई सफलता नहीं मिली। दोनों ने 20 ओवर में 99 रन दे दिए। रविंद्र जडेजा या कुलदीप यादव की जगह यहां आर. अश्विन को खिलाया जाना चाहिए था। खासकर कुलदीप यादव को बदलकर आर. अश्विन को खिलाया जा सकता था, क्योंकि अश्विन एक अच्छे बल्लेबाज भी हैं। पांचवां, भारतीय टीम को आगामी टूर्नामेंट में मानसिक रूप से मजबूत रहने और बड़े अवसरों पर कैसे जीता जाता है? यह कला ऑस्ट्रेलिया से सीखने की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया छठी बार क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता है। यदि आईसीसी टूर्नामेंट के पिछले 10 साल देखे जाएं तो भारत 2014 में टी–20 वर्ल्ड कप का फाइनल हारा, 2015 में वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल हारा, 2016 में टी–20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल हारा, 2017 में चौंपियंस ट्रॉफी का फाइनल हारा, 2019 में वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल हारा, 2019–20 में टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल हारा, 2021 में टी–20 वर्ल्ड कप ग्रुप स्टेज पर हारा, 2022 में टी–20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल हारा, 2021–23 में टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल हारा और अब वर्ल्ड कप फाइनल हार गया। खास बात यह है कि इस साल टेस्ट चौंपियनशिप भी ऑस्ट्रेलिया ने जीती और वर्ल्ड कप का फाइनल भी जीता। घर में इतना बड़ा टूर्नामेंट हारना निश्चित रूप से भारतीय प्रशंसकों को खल रहा है, लेकिन खेल को खेल भावना से ही लिया जाना चाहिए। उम्मीद यही की जानी चाहिए कि भारत वर्ल्ड कप फाइनल की गलतियों से सीखेगा और भविष्य में वर्ल्ड कप घर लेकर आएगा। खासकर कुलदीप यादव को बदलकर आर. अश्विन को खिलाया जा सकता था, क्योंकि अश्विन एक अच्छे बल्लेबाज भी हैं।

लोकमान्य तिलक ट्रेन, जल्द कराएगे नियमित : कृपाशंकर सिंह

जिले के चारों तरफ फोरलेन के सड़कों का जाल बिछ रहा है:ओमप्रकाश सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 23 नवम्बर। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री व प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा कृपा शंकर सिंह आज गुरुवार को जौनपुर शहर के एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि रेल मंत्री ने फोनकर बताया कि जल्द ही मऊ से मुंबई के लिए साप्ताहिक ट्रेन का संचालन किया जा रहा हैं, उसको जौनपुर के विभिन्न स्टेशनों पर रोकवा देते हैं, आगे इसको नियमित कर दिया जाएगा। ट्रेन का संचालन बुधवार 22 नवम्बर से शुरू हो गया, यह मऊ से चलकर जौनपुर में शाहगंज में सायं 6.40 बजे, जौनपुर जंक्शन पर 7.20 बजे, मड़ियाहूं स्टेशन पर 7.52 बजे, जंघई स्टेशन पर 8.27 बजे रूकेगी। यह गाड़ी अत्याधुनिक एलएचबी रेक से चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही जौनपुर जंक्शन का सुंदरीकरण किया जाएगा, इसके लिए भी उन्होंने बात की है। इसके अलावा उन्होंने जौनपुर से जफराबाद, बक्शा लोहिंदा मार्ग पर रेलवे क्रासिंग पर लगने वाले जाम को लेकर ओवरब्रिज का प्रस्ताव भेजा है। इसमें जौनपुर–जफराबाद पर जगदीशपुर रेलवे क्रासिंग पर स्वीकृत भी प्राप्त हो चुकी है। भाजपा के प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि प्रदेश व देश में डबल इंजन की सरकार है। इस वजह से जिले के चारों तरफ फोरलेन के सड़कों का जाल बिछ रहा है। यूपी अपराध मुक्त हुआ है। इस मौके पर भाजपा नेता पंकज मिश्रा,श्यामराज सिंह, रत्नाकर सिंह आदि मौजूद रहे।

सघन टी.बी. मरीज खोज रोग अभियान 23 नवंबर से 5 दिसंबर तक : सीएमओ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी सभागार में टी.बी. खोज रोग अभियान के सम्बन्ध में पत्रकारो से बात करते हुए। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह ने बताया कि एन.टी.ई.पी. कार्यक्रम के अंतर्गत् चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उ.प्र. के द्वारा दिये गये दिशा–निर्देश के क्रम में जनपद में 23 नवम्बर 2023 से 05 दिसम्बर 2023 (कुल 10 दिवस) तक स्वास्थ्य विभाग की टीमों (आशा, ए.एन.एम. तथा आंगनबाड़ी) के द्वारा जनपद में टी.बी. संभावित टारगेटेड आबादी वाले क्षेत्रों में घर–घर भ्रमण करते हुए टी. बी. मरीजों की स्क्रीनिंग करने के साथ–साथ उनके बलगम की जांच तथा उपचार की सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु सघन टी.बी. खोज रोग अभियान (एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान) चलाया जायेगा। सघन टी. बी. खोज रोग अभियान के अंतर्गत् क्षेत्रों में 2 सप्ताह से ज्यादा खांसी, बुखार, रात में पसीना आना, वजन कम होना, भूख न लगना तथा बलगम में खून आने की शिकायत वाले व्यक्तियों को टीम द्वारा चिह्नित करते हुए उनके बलगम की जांच नजदीकी माइक्रोस्कोपी केन्द्रों पर कराते हुए अतिशीघ्र उपचारित करके स्वस्थ्य किया जायेगा। इस अभियान के द्वारा टी.बी. के संक्रमण को कम करने में मदद मिलेगी। एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान के अंतर्गत् जनपद की कुल आबादी 54.5 लाख के सापेक्ष 20 प्रतिशत टी.बी. संभावित आबादी की जनसंख्या के मध्य जनपद में कुल 435 टीमों तथा उन टीमों के कुशल पर्यवेक्षण हेतु लगाये गये कुल 87 पर्यवेक्षकों के माध्यम से टी.बी. के मरीजों की स्क्रीनिंग का कार्य किया जायेगा। इस अभियान की व्यापक सफलता के लिये जनपद स्तर के ए. सी.एम.ओ. रैंक के सभी अधिकारियों सहित जनपद के समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों के अधीक्षकोंध्प्रभारी चिकित्साधिकारियों तथा एन.टी.ई.पी. के सुपरवाईजर्स के माध्यम से गहन मॉनीटरिंग का कार्य किया जायेगा। ए.सी.एफ. अभियान के दौरान जनपद के टी.बी. मरीजों के बलगम के जांच के लिये माइक्रोस्कोपी के अतिरिक्त डी.टी.सी. एवं स्वास्थ्य केन्द्र शाहगंज पर स्थापित सी.बी.नाट मशीनों का भी उपयोग किया जायेगा। इसके अतिरिक्त जनपद के 14 केन्द्रों पर ट्रूनाट की मशीन भी जांच हेतु संचालित रहेगी। वर्ष 2023 में अब तक जनपद में कुल 8958 टी.बी. मरीजों की पुष्टि हुई है। टी.बी. के प्रत्येक मरीज को उनके बेहतर इलाज के साथ–साथ उपचार के दौरान निःक्षय पोषण योजना के अंतर्गत प्रतिमाह रू. 500 की ध नराशि डी.बी.टी. के माध्यम से सीधे उनके खाते में भेजी जा रही है। 03 दिसम्बर 2023 से 05 दिसम्बर 2023 तक जनपद के राजकीय वृद्धाश्रम, जिला कारागार, नवोदय विद्यालय, समस्त मदरसों में टी.बी. स्क्रीनिंग का कार्य एन.टी.ई.पी. स्टाफ द्वारा किया जायेगा। इसी क्रम में अभियान के अंतर्गत प्राइवेट सेक्टर के समस्त चिकित्सकों एवं केमिस्ट्स के बीच जाते हुए टी.बी. नोटिफिकेशन का कार्य किया जायेगा।

राजस्व की वार्षिक लक्ष्य की पूर्ति लक्ष्य के सापेक्ष करने के निर्देश : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में कर करेत्तर व राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक बुधवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों के साथ राजस्व की वार्षिक लक्ष्य की पूर्ति लक्ष्य के सापेक्ष करने के निर्देश दिए। आबकारी विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि प्रवर्तन की कार्रवाई करते हुये शत–प्रतिशत वूसली सुनिश्चित करायें। बैठक में वाणिज्यकर, खनन, नगर निकाय, परिवहन, आदि की वसूली की बिन्दुवार समीक्षा की गई तथा सभी विभागों को लक्ष्य के सापेक्ष वसूली पूरा करने के निर्देश दिए गए। खनन अधिकारी को निर्देश दिया कि भट्टा मालिको से आरसी की वसूली की जाए और अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को निर्देश दिया कि साप्ताहिक समीक्षा करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करें।

मंडी शाहगंज एवं मुंगराबादशाहपुर का वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष क्रमिक लक्ष्य कम प्राप्ति नही था जिसे शत प्रतिशत प्राप्त करने के निर्देश दिये गए। मछलीपालन के लिए तालाब आवंटन में सभी नियमों का पालन करे और पारदर्शी तरीके से आवंटन किया जाए, शिकायत मिलने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। हैसियत के पुराने प्रकरण शीघ्र निस्तारण करें और नए आवेदन में 15 दिन के भीतर आख्या लगाये।

स्वामित्व, पैमाइश, अवैध भूमि अतिक्रमण को खाली कराना , आवासीय एवं कृषि आवंटन आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निशा निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया कि जिन मदो में प्रगति नहीं हो रही है उनकी समीक्षा करे, पुराने मुकदमों को निस्तारित कराएं, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लंबित किस्त वितरण सुनिश्चित कराएं। राजस्व संबंधित सभी मुकदमों का त्वरित निस्तारण कराएं। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी गणेश प्रसाद, समस्त उपजिलाधिकारीगण सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रयासों से आतंक और भ्रष्टाचार नाम की चिड़िया गायब हो गई : नितिन अग्रवाल

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) भाजपा जिला कार्यालय पर वोटर चेतना महाअभियान की हरदोई विधानसभा की बैठक में मुख्य अतिथि आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल व मुख्य वक्ता निवर्तमान जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने पदाधिकारियों को लोकसभा 2024 में पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बने इसके लिए वोट की कीमत का पाठ पढ़ाया।

बैठक में मुख्य अतिथि आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए पार्टी पदाधिकारियों को आगामी 2024 लोकसभा चुनावों में जी जान से जुट जाना है और लगातार तीसरी बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनवाने का संकल्प पूर्ण करना है।

उन्होंने कहा कि चुनाव जीतना है तो हमें अपने घर को सबसे पहले मजबूत करना होगा और हमारा पहला घर हमारा बूथ होता है। हम सबको ध्यान रखना होगा कि मतदाता सूची में कोई भी नाम छूटने न पाए और विरोधी पार्टी के लोग कोई गड़बड़ी न कर पाए। हर घर हर वोट को हमे चुन चुन कर बाहर निकलना है और भाजपा के लिए प्रेरित करना है। भाजपा ही एकमात्र ऐसा दल है जिसने 10 सालों में ऐसी सरकार दी कि आतंक और भ्रष्टाचार नाम की चिड़िया गायब हो गई। देश से लेकर प्रदेश में सुख चौन और समृद्धि की बयार चल रही है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का यश आज विश्व के शिखर को छू रहा है। जी20 की बैठक इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कोरोना काल में जब विश्व त्राहिमाम कर रहा था तो ये भारत ही था जिसने अपने देश के नागरिकों की रक्षा के साथ साथ विश्व की चिंता की और मानवता को बचाने के लिए इंजेक्शन पहुंचाए। । वही निवर्तमान जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र ने कहा कि समय रहते अगर हम सभी बूथों को दुरुस्त कर लेंगे तो प्रतिद्वंदी की जमानत जब्त होना पक्का है। यह ध्यान रखना होगा कि जनता से मिले आशिर्वाद को नकारते हुए इसी विपक्ष ने चक्रव्यूह रच हमारे भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की सरकार को गिराने का काम किया था। उसी एक वोट की कीमत हमें समझनी होगी और एक एक वोट जोड़कर ही हमें तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनानी है। यह जिम्मेदारी सिर्फ विधायक और सांसदों या जिला पदाधिकारियों की ही नहीं है बल्कि हमारी आपकी और सबकी है। उन्होंने कहा कि अटल जी के बाद अब जाकर देश को एक ऐसा सशक्त नेतृत्व मिला है जिसके शासन में राष्ट्र और सनातन संस्कृति अपने परम वैभव को प्राप्त कर रही है। और अब हमारे कंधों पर यह जिम्मेदारी है कि देश के इस वैभव को और आगे बढ़ाए जिससे कि आने वाली पीढ़ी को रहने के लिए एक आदर्श राष्ट्र मिले।

बैठक में प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती नगरपालिकाध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा जिलामंत्री मीना वर्मा नीतू चंद्रा मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक सहमीडिया प्रभारी परेश लोहिया महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अलका गुप्ता नगर अध्यक्ष अजीत उपाध्याय मण्डल अध्यक्ष श्याम सिंह, रामप्रताप सिंह देशदीपक दिक्सित ब्लाकप्रमुख प्रतिनिधि धर्मेंद्र सिंह एवं विशाल मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 दिसंबर को : जिला जज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सिविल जज सी0डि0ध प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल, माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर के तत्वावधान में 09 दिसम्बर 2023 दिन शनिवार को प्रातः 10:00 बजे से दीवानी न्यायालय परिसर, जौनपुर एवं समस्त तहसील मुख्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में ई–चालान व आर्बिट्रेशन के निष्पादन वाद, प्री–लिटिगेशन (वाद–पूर्व) स्तर पर पारिवारिकध दाम्पत्य विवाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, धन वसूली वाद, श्रम एवं सेवायोजन विवाद, विद्युत, जल बिल एवं अन्य प्रकार के बिलों के भुगतानों के विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), भरण–पोषण वाद तथा अन्य प्रकार के आपराधिक शमनीय व सिविल वाद तथा विभिन्न न्यायालयों में लम्बित आपराधिक शमनीय वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, श्रम एवं सेवायोजन विवाद, विद्युत, जलकर बिल एवं अन्य प्रकार के बिलों के भुगतानों के विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित) पारिवारिक वाद (विवाह विच्छेद सम्बन्धित वादों को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण वाद, सेवा में वेतन भत्तों एवं सेवानिवृत्ति परिलाभों से सम्बन्धित विवाद, आपसी सुलह–समझौतें के आधार पर निस्तारित होने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा।

अतः वादकारी एवं अधिवक्ता गण अपने–अपने वादों से सम्बन्धित न्यायालयों में सम्पर्क स्थापित कर वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु संदर्भित करायें एवं अधिकतम वादों का निस्तारण कराकर लोक अदालत का लाभ उठायें।

वोटरों को आनलाइन रजिस्ट्रेशन हेतु प्रोत्साहित किया जाये:-उप जिला निर्वाचन अधिकारी

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

हरदोई–उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 27 अक्टूबर 2023 को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन कर दावे और आपत्ति प्राप्त करने की अवधि 27 अक्टूबर 2023 से 09 दिसम्बर 2023 तक निर्धारित की गयी हैं, जिसमें 25 व 26 नवम्बर, 2023 तथा 02 व 03 दिसम्बर, 2023 की शेष विशेष अभियान तिथियां भी सम्मिलित हैं। मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन 05 जनवरी 2024 को किया जायेगा। उन्होंने समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निर्देशित किया है कि मतदाताओं को ऑनलाइन पंजीकरण करने में सुविधा हो इस हेतु Voter Voter Helpline App voters-eci-gov-in - CEO UP Website ds QR CODE प्रत्येक बूथ पर चस्पा कर वोटरों को अधिकाधिक आनलाइन रजिस्ट्रेशन हेतु प्रोत्साहित किया जाये। साथ ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हेतु आवश्यक प्रपत्रों जैसे अपलोड की जाने वाली फोटो का साइज, जन्म तिथि तथा पता के प्रमाण के समस्त उपलब्ध विकल्पों का सरल भाषा में व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाये।

यदि बच्चे को खांसी जुकाम हो तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेंरूबाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एस एस रजा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदरनगर आलमबाग के चिकित्सा अधीक्षक एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एस एस रजा ने भेंटवार्ता में बताया कि ठंड में सबसे ज्यादा बच्चों को ठंड लगने का का डर होता है। इससे सांस लेने की तकलीफ बढ़ जाती है। निमोनिया का प्रकोप आने का ज्यादा खतरा रहता है। यदि बच्चे को खांसी जुकाम हो तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श ले ताकि समय रहते ट्रीटमेंट लेकर जानलेवा बीमारियों से बचाया जा सके। छोटा बच्चा है तो 6 महीने तक मां का दूध पिलाना चाहिए मां का दूध गुणकारी होता है। बड़े बच्चों को ठंडी चीजों से परहेज करना चाहिए। गर्म कपड़े पहनाएं,गर्म भोजन खिलाएं। खुले वाहन से लेकर न जाए कोशिश करें कि बंद वाहन से ही यात्रा करें। बच्चों को सबसे ज्यादा ठंड सीने में लगती है इसलिए चेस्ट को ढक कर रखें। छोटे बच्चों को पैरों में मौजे अवश्य पहनाए।

नमो कबड्डी प्रतियोगिता व वोटर चेतना अभियान को लेकर बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आगामी कार्यक्रम नमो कबड्डी प्रतियोगिता व वोटर चेतना अभियान के संदर्भ में भाजपा किसान मोर्चा जौनपुर व मछली शहर जिले की संयुक्त बैठक जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई।

बैठक में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शैलेश पाण्डेय रहे।अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा जौनपुर नरेंद्र उपाध्याय ने किया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष व मोर्चा प्रभारी संदीप सरोज, जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा मछली शहर प्रहलाद यादव, जिला महामंत्री द्वय इन्द्रसेन सिंह, प्रदीप यादव, जिला मिडिया प्रभारी आशुतोष कुमार उपाध्याय,विश्व प्रकाश श्रीवास्तव , पुनीत मिश्र व अन्य मौजूद रहे।

संचालन जिला उपाध्यक्ष घनश्याम यादव ने किया।

जानकी बल्लभ को सोने का मुकुट 24 नवंबर को पहनाएंगे सीएम योगी

लखनऊ (संवाददाता)। अयोध्या में बड़ाभक्तमाल में 24 नवंबर को आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में विराजमान श्रीसीताराम यानी जानकी बल्लभ को सवा किलो सोने का मुकुट, छत्र व हार अर्पित किया जाएगा। मंदिर के महंत अवधेश दास ने बताया कि अभिजित मुहूर्त में भगवान श्रीसीताराम को सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथों मुकुट धारण कराया जाएगा। राजस्थान के पांच कारीगरों ने डेढ़ महीने में मुकुट को तैयार किया है। इनका आकार एक गुणा एक फीट है। इनमें हीरा भी लगाया गया है। यह मुकुट उनके शिष्यों की ओर से तैयार कराया गया है। 25 नवंबर को मां सरयू को 51 मीटर की चुनरी भी अर्पित की जाएगी। 26 को अनुष्ठानों की पूर्णाहुति व संत–धर्माचार्यों का सम्मान समारोह आयोजित होगा।

परिक्रमा व आगामी कार्तिक पूर्णिमा को लेकर जीआरपी भी रही मुस्तैद

अयोध्या। पंच कोसी परिक्रमा व आगामी कार्तिक पूर्णिमा मेला को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये जीआरपी भी मुस्तैद दिखाई दे रहा था।इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कैंट रेलवे स्टेशन राकेश कुमार राय ने जीआरपी कर्मियों के साथ स्टेशन एवं परिक्रमा मार्ग पर पड़ने वाले समस्त रेलवे क्रासिंगों सहित रेलवे स्टेशन अयोध्या जंक्शन एवं राम घाट हाल्ट पर संवेदनशील एवं अत्यधिक भीड़–भाड होने वाले स्थानों पर बारीकी से निरीक्षण किया। सुरक्षा की दृष्टि से उन्होंने सम्पूर्ण जीआरपी मेला क्षेत्र को 03 सेक्टरों में विभाजित करते हुए समस्त प्रमुख स्थानों पर दोनों पालियों में उप निरीक्षक साथ पर्याप्त पुलिस बल द्वारा सतर्कता एवं मुस्तैदी से ड्यूटी संपादित की जा रही।इसके अतिरिक्त संदिग्ध वस्तुओं की चेकिंग उपकरण एचएचएमडी द्वारा करा रहे थे।वहीं भीड़ को नियन्त्रित करने हेतु लाउडहेलर द्वारा एनाउन्समेन्ट एवं रेलवे क्रासिंगों पर रस्से के साथ, अराजक तत्वोंध्चोर उचक्कों की गतिविधियाँध्धर पकड़ हेतु अलग से सादे वस्त्रों में पुलिस बल की पैनी नजर रखी जा रही थी। इस मौके पर जीआरपी मेला प्रभारी के रूप में प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार राय एवं सेक्टर प्रभारीध्चेकिंग चौकी प्रभारी जीआरपी अयोध्या उप निरीक्षक सुशील कुमार मिश्र श्रद्धालुओं को भी इस मौके सर्तक रहने की अपील करते हुए दिखाई दे रहे थे।

डाभा सेमर के समीप रोडवेज व ट्रेलर की हुई जबरदस्त भिड़ंत

सीएफओ एमपी सिंह व उनकी टीम की सूझबूझ से बची बस यात्री व ट्रेलर चालक की जान

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) बुधवार की देर रात थाना पूराकलंदर क्षेत्र के डाभासेमर स्टेडियम से आगे रोडवेज बस व ट्रेलर की भिड़ंत हो गई।जिसकी सूचना पाते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह अपने अधीनस्थ फायर ब्रिगेड के कर्मियों के साथ घटना स्थल पर कर बिना देरी किए बचाव कार्य में जुट गए।जिसका नतीजा यह रहा कि सभी बस यात्री सकुशल बच गए। बताते चलें कि जब सूचना पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह पहुंचे तो उन्होंने देखा कि डाभासेमर स्टेडियम से कुछ आगे मुख्य मार्ग पर रोडवेज की बस संख्या–यू0पी0–70 ई0टी0–9388 व ट्रेलर संख्या–एच0आर0–46 ई–6035 का आपस में भीषण टक्कर होने हो गई थी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस टेढ़ी हो गयी थी व ट्रेलर बस के मध्य में घुस गया थी।वहीं अग्निशमन विभाग के कर्मियों की सूझबूझ के चलते बस में बैठे 19 यात्री सुरक्षित बाहर निकाल लिये गये।परन्तु इस भीषण टक्कर में ट्रेलर के केबिन का पूरा हिस्सा चिपक गया था।जिसमें ड्राइवर श्यामू उम्र 27 वर्ष बुरी तरह फँस गया था।मुख्य अग्निशमन अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह द्वारा स्थिति का त्वरित मूल्यांकन कर पिचके केबिन में घुसकर स्थिति का जायजा लेते हुये रेस्क्यू उपकरण का प्रयोग कराकर केबिन का डैशबोर्ड को धीरे–धीरे तोड़कर व काटकर फँसे हुये ड्राइवर को निकाला।इस मौके पर सीएफओ अयोध्या एम0पी0सिंह के नेतृत्व में फायर सर्विस चालक हृदयनाथ विश्वकर्मा, फायरमैन गोपेश रावत, फायरमैन सुनील तिवारी, फायरमैन सौरभ यादव, फायरमैन मो0 आरिफ व फायरमैन सूर्य कुमार यादव मौजूद रहे।

केजीएमयू में लिफ्ट रुकी, 4 फंसे, फायर ब्रिगेड ने बाहर निकाला

लखनऊ। केजीएमयू में बुधवार सुबह अफरा–तफरी भरा माहौल रहा। चिकित्सा विश्वविद्यालय परिसर की सबसे हाईटेक बिल्डिंगों में शुमार शताब्दी फेस–2 की लिफ्ट 9वें फ्लोर पर अचानक अटक गई। लिफ्ट के अंदर 4 लोग फंसे थे। सुबह करीब 8 बजे अचानक से लिफ्ट रुकने से परिसर में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मरीजों और तीमारदारों के बीच शोर शराबा बढ़ने लगा। इस बीच आग लगने की अफवाह भी उड़ी। इधर किसी ने फायर ब्रिगेड को फोन भी कर दिया। थोड़ी देर में अग्निशमन दल का दस्ता भी मौके पर पहुंच गया। हालांकि आग न लगी देख थोड़ी राहत की सांस ली। पर लिफ्ट में फंसे लोगों को बाहर निकलना अभी भी चौलेंज था।

पाली पुलिस ने चार नफर वारंटियों को किया गिरफ्तार

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' जनपद हरदोई में अपराध नियंत्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक केशव चंद्र गोस्वामी के कुशल निर्देश में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी दुर्गेश सिंह के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी शाहाबाद हेमंत उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में थाना पाली पुलिस ने गुरुवार को थाना क्षेत्र के अलग–अलग स्थानों से चार नफर वांछित अभियुक्तोंध् गैर जमानती वारंटीध्मफरूर अभियुक्त व पुरस्कार घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार वारंटियों में 1. रतन कुमार पुत्र ओमप्रकाश उर्फ कल्लू उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम ददेवरा थाना पाली जनपद हरदोई, 2.सुधीर कुमार पुत्र वेद प्रकाश उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम कहारकोला थाना पाली जनपद हरदोई 3.बबलू पुत्र श्री कृष्णा उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम नकटौरा थाना पाली जनपद हरदोई 4.रामकुमार पुत्र मुन्ना उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम नकटौरा थाना पाली जनपद हरदोई को उनके घर के बाहर से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही कर मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

25 से 29 नवंबर तक जीआईसी में राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन

428 पुरुष व 338 महिला करेगी प्रतियोगिता में करेगे प्रतिभाग

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। राजकीय इंटर कॉलेज अयोध्या के मैदान पर 25 नवंबर से लेकर 29 नवंबर तक राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।जिसमें देश की धनुर्धर प्रतिभागी अपने अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे।इस बात की जानकारी उत्तर प्रदेश तीरंदाजी महासंघ के महासचिव अजय गुप्ता ने गुरुवार को राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पत्रकारों को दी।उन्होंने बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज अयोध्या में 25 नवंबर से 29 नवंबर तक चलने वाले राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाज प्रतियोगिता में 911 तीरंदाज पुरुष व महिला तथा उनके कोच मौजूद

रहेंगे।35 राज्य के अलावा केंद्र शासित चार अन्य राज्यों से पुरुष वर्ग से 428 तथा महिला वर्ग से 338 प्रतिभागी तीरंदाज प्रतियोगिता मे अपने–अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे। राजकीय इंटर कॉलेज अयोध्या के मैदान पर होने वाली इस प्रतियोगिता में केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में होंगे।उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में रिकर्व, कंपाउंड, और इंडियन राउंड के बाद विजेताओं को प्रस्तुत किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में ज्योति सुरेखा, तरुणदीप राय,जयंत तालुदार,डोला बनर्जी,बोंबायला देवी,राहुल बनर्जी,मंगल सिंह,अभिषेक वर्मा,अतानु,दीपिका,रजत चौहान,धीरज,ओजस,अदिति,तुषार,राकेश,शीतल, प्रवीण जाधव जैसे प्रसिद्ध खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे हैं।पत्रकार वार्ता के दौरान उनके अलावा उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ के जॉइंट सेक्रेटरी योगेंद्र राणा,ओलंपियन सत्यदेव,यूपी टीम के कोच विकास शास्त्री सहित अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी विश्वास सहित अन्य खिलाड़ी मौजूद रहे।

इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2022-23 जनपद स्तरीय प्रदर्शनी का हुआ भव्य आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ । इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2022–23 की जनपद स्तरीय प्रोजेक्ट प्रदर्शनी राजकीय जुबिली इण्टर कॉलेज निकट सिटी स्टेशन लखनऊ में आयोजित की गई।

घ्उक्त प्रदर्शनी जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ राकेश कुमार पाण्डेय की देख रेख में आयोजित की गई ।

घ्इस प्रदर्शनी में कुल 143 प्रतिभागियों ने अपने माडल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

घ् मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि लखनऊ समेत अन्य जनपदों के जिला विद्यालय निरीक्षकों के साथ चयनितों का उत्साह देखने योग्य रहा।

घ् केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (एन0आई0एफ0) के डॉ0रईस ने इस प्रदर्शनी का पर्यवेक्षण किया।

घ्प्रदर्शनी में शो केश किये जाने वाले सभी प्रोजेक्ट्स के मूल्यांकन के लिए उच्च कोटि के वैज्ञानिकों को नियुक्त किया गया जिसमें डॉ एच के द्विवेदी, डॉ दिनेश कुमार सिंह, डॉ ऋचा पांडेय तथा डॉ विनय कुमार सिंह प्रमुख रहे।

उल्लेखनीय है कि निर्णायक मंडल द्वारा कुल 22 माडल चुने गए, जिनका विवरणअधोलिखित है।

घ्राज्य स्तर के लिए चयनित बाल वैज्ञानिकों को जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया तथा निर्णायकों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

उक्त प्रदर्शनी में संयुक्त शिक्षा निदेशक षष्ठ मण्डल लखनऊ डॉ प्रदीप कुमार, उप शिक्षा निदेशक षष्ठ मण्डल लखनऊ रेखा दिवाकर, सह जिला विद्यालय निरीक्षक जय शंकर श्रीवास्तव, सह जिला विद्यालय निरीक्षक (आंग्ल) मनीषा द्विवेदी तथा प्रधानाचार्य राजकीय जुबिली इन्टर कॉलेज डॉ आशुतोष कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति रही।

इंस्पायर अवार्ड 2022–23 जनपद स्तरीय परिणाम निम्नवत हैघ्घ्घ्

1–सृष्टि सिंह अवध कॉलेजिएट आईजी कैंपस लखनऊ

3–अदिति पांडे एमिटि इंटरनेशनल स्कूल लखनऊ

3– जानवि वर्मा
बाल निकुंज अकादमी लखनऊ

4–नाबा
चुटकी भंडार गर्ल्स इंटर कॉलेज लखनऊ

5–पिंकी
राजकीय बालिका इंटर कॉलेज लखनऊ

6–नसर नूर
कस्तूरबा बालिका विद्यालय इंटर कॉलेज शिवाजी मार्ग लखनऊ

7–नीतिज्ञ पांडे
लखनऊ पब्लिक स्कूल विराट खंड 4 गोमती नगर लखनऊ

8– अजय सिंह
मानक नगर रेलवे इंटर कॉलेज आरडीएसओ लखनऊ

9–हृदय्यांश भट्ट
मानक नगर रेलवे इंटर कॉलेज आरडीएसओ लखनऊ

10 वैष्णवी तिवारी
रानी लक्ष्मी बाई सी ब्लॉक इंदिरा नगर लखनऊ

11 आरिका त्रिपाठी
रानी लक्ष्मी बाई मेमोरियल स्कूल सेक्टर 14 विकास नगर लखनऊ

12 अनुष्का कुशवाहा
डीपीएस डी पब्लिक स्कूल हरदोई

13 आशीर्वाद पांडे
जेके पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल हरदोई

14 शौर्य सिंह
जीनियस पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल हरदोई

15 सादिक गुप्ता
भारतीय इंटर कॉलेज मैगलगंज लखीमपुर खीरी

16 शानू सोनकर
राजकीय इंटर कॉलेज अतौरा बुजुर्ग रायबरेली

17 नेहा देवी
राजकीय बालिका इंटर कॉलेज खैराबाद सीतापुर

18 खुशी मौर्य
मन्नालाल इंद्राणी कुंवर इंटर कॉलेज जैतिपुर उन्नाव

19 महक फातिमा
आई इंटर कॉलेज बाराबंकी

20 अभय राज
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़वल त्रिवेदीगंज बाराबंकी

21 ममता राजपूत
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हीरपुर देवा बाराबंकी

22 अंबिका सिंह
श्री चित बहाल आदर्श बालिका इंटर कॉलेज पूलनपुर अंबेडकर नगर

विज्ञान नगरी में तीन दिवसीय इन्नोवेशन फेस्टिवल का पुरस्कारों के साथ भव्य समापन

पुरस्कार वितरण के साथ विज्ञान नगरी में चल रहे तीन दिवसीय नवप्रवर्तन महोत्सव का समापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आंचलिक विज्ञान नगरी, लखनऊ में तीन दिनों से चल रहे नवप्रवर्तन महोत्सव–2023 को पुरस्कार वितरण के साथ भव्य समापन हुआ। ती दिवसीय इन्नोवेशन फेस्टिवल का उद्घाटन प्रोफेसर जे0 पी0 पाण्डेय, कुलपति डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय लखनऊ ने किया। वही समापन समारोह के मुख्य अतिथि नरेन्द्र भूषण, आईएएस,प्रमुख सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग उ0प्र0 थे। इस तीन दिवसीय महोत्सव में स्कूल, कालेज और इन्नोवेटर्स ,ने अपने अपने नवाचारी मॉडलों को प्रदर्शित किया। वही इसमें स्कूली बच्चों के लिये रोबोटिक्स की प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। इस महोत्सव में विभिन्न विद्यालयों और प्रौद्योगिकी संस्थानों के कुल सत्तावन नवाचारी माडलों को प्रदर्शित किया गया। जिनकों देखने के लिये आठ हजार से अधिक स्कूली बच्चे और आम दर्शकों ने इन तीन दिनों में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय ने नवप्रर्वतन सेल भौतिकी विभाग के प्रोफेसर राजीव मनोहर ने नवाचार पर लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान दिया। साथ ही जमीनी स्तर पर होने वाले इन्नोवेशन पर विस्तार से चर्चा की। बच्चों को संबोधित करते हुये समापन दिवस के मुख्य अतिथि नरेन्द्र भूषण ने कहा कि बच्चों को प्रश्न पूछने की आदत डालनी चाहिये। नव प्रवर्तन महोत्सव में स्कूल प्रोजेक्ट, कालेज प्रोजेक्ट, इन्नोवेटर्स प्रोजेक्ट और रोबोटिक्स प्रतियोगिता वर्ग के नवाचारी प्रोजक्ट प्रस्तुत किये गये। विजेता प्रतिभागियों को शील्ड प्रमाण–पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। तीन दिवसीय नवप्रवर्तन महोत्सव में कबाड़ से जुगाड़, तोड़, फोड़ के जोड, शिक्षकों के लिये इन्नोवेटिव टीचिंग कार्यशाला, एरोमा और कैण्डिल कार्यशाला और फैमिली के लिये इन्नोवेटिव चौलेन्ज जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया तथा विजेताओ को पुरस्कार व प्रमाण–पत्र प्रदान किये गये। नवप्रवर्तन महोत्सव के सफल समापन पर विज्ञान नगरी के परियोजना समन्वयक एम0 अंसारी ने सभी के आगमन के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

यातायात नियमों का पालन सभी को अवश्य करना चाहिए : इंस्पेक्टर विधासागर पाल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जनपद हरदोई में पचदेवरा कोतवाली के इंस्पेक्टर विद्या सागर पाल के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस यातायात जागरूकता माह के तहत क्षेत्र के विभिन्न कॉलेज में छात्र–छात्राओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। यातायात माह नवम्बर 2023/यातायात जागरूकता कार्यक्रम,मिशन शक्तिध्शक्ति दीदी,महिलाओंध्बालिकाओं सम्बंधी अपराध,महिला जागरूकता कार्यक्रम के तहत एच0 पी0 एस0 इंटर कॉलेज बुआपुर कुंडी में जागरूक करते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना पचदेवरा जनपद हरदोई विद्या सागर पाल ने कहा कि छात्र–छात्राएं अभिभावकों को बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन

ना चलाने दें। रोको और टोको की नीति अपनाई जानी चाहिए। नवंबर माह यातायात जागरूकता का माह है। इस माह में यातायात संबंधी शिक्षा दी जाती है। यातायात नियमों का पालन सभी को अवश्य करना चाहिए। हमें उत्प्रेरक की भूमिका निभानी चाहिए। हमें उदाहरण पेश करना चाहिए। इस अवसर पर कोतवाली के उपनिरीक्षक, कांस्टेबल, विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं छात्र – छात्राएं उपस्थित रहे।

गुरुग्राम कोर्ट में पीएफए की याचिका पर सुनवाई

नोएडा। बिग बॉस ओटीटी–2 के विनर और यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें बढ़ सकती है। पीएफए के सौरभ गुप्ता ने गुरुग्राम के जिला कोर्ट में एक याचिका दयार की है।

यूपी में नए दल की एंट्री, पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने बनाई पार्टी, बुंदेलखंड राज्य बनाने की उठाई मांग

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले उत्तर प्रदेश में एक नई राजनीतिक पार्टी की एंट्री हो गई है। इस पार्टी को यूपी के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने बनाया है। उन्होंने इस पार्टी का नाम बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी रखा है। उन्होंने अपनी इस पार्टी के जरिए यूपी और एमपी के 15 जिलों को मिलाकर नए राज्य बनाने की मांग उठाई है। पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने अपनी पार्टी बुंदेलखंड लोकतांत्रिक के जरिए यूपी और एमपी के 15 जिलों को मिलाकर नए राज्य बनाने की मांग की है। इसमें उत्तर प्रदेश के 7 जिले– झांसी, चित्रकूट, ललितपुर, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन और मध्य प्रदेश के 8 जिले– दमोह, पन्ना, सागर, टीकमगढ़, अशोकनगर, छतरपुर, दतिया, निवाड़ी को शामिल करने की मांग की है।

मण्डल स्तरीय 51वीं बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 28 से 30 नवम्बर 2023 को

विद्यार्थियों के साथ-साथ अध्यापक/अध्यापिका संवर्ग भी करेंगे अपने हुनर का प्रदर्शन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान उत्तर प्रदेश प्रयागराज के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली तीन दिवसीय मण्डल स्तरीय 51वीं बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2023 का आयोजन 28 से 30 नवम्बर 2023 को राजकीय जुबिली इण्टर कॉलेज कॉलेज निकट सिटी स्टेशन लखनऊ में प्रातः 9 बजे से आयोजित की जाएगी।

जे डी माध्यमिक लखनऊ कार्यालय के मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष की इस बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का मुख्य विषय 'समाज के लिए विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी' रखा गया है,इसी मुख्य विषय के अन्तर्गत पांच उपविषय रखे गए हैं जिनमें स्वास्थ्य,जीवन (पर्यावरण हेतु जीवन शैली),कृषि,संचार एवं परिवहन,कंप्यूटेशनल सोच

इस प्रदर्शनी में मुख्य रूप से तीन संवर्ग होते हैं– जूनियर संवर्ग (कक्षा 10 तक के छात्र – छात्रा),सीनियर संवर्ग (कक्षा 11 व 12),अध्यापक संवर्ग (टी0एल0एम0आधारित),डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि लखनऊ मण्डल की इस प्रदर्शनी में मण्डल के 6 जनपदों सीतापुर,लखीमपुर खीरी, उन्नाव,लखनऊ, रायबरेली, हरदोई के जनपद स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के विजेता छात्रही छात्रा व शिक्षक प्रतिभाग करेंगे।

जे0डी0 माध्यमिक डॉ0प्रदीप कुमार सिंह ने मण्डल के समस्त जिला विद्यालय निरीक्षकों को अपने अपने जनपद स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के विजेताओं को मण्डल स्तर की प्रदर्शनी में समय से प्रतिभाग करवाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि मण्डल स्तर की प्रदर्शनी के विजेता छात्र छात्राओं को एक वरिष्ठ विज्ञान शिक्षक के साथ निदेशक राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान उत्तर प्रदेश प्रयागराज के नेतृत्व में आयोजित होने वाली चार दिवसीय 'राज्य स्तरीय 51वीं बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के लिए रवाना किया जाएगा जो 12 से 15 दिसम्बर 2023 'पारकर इण्टर कॉलेज मुरादाबाद' में आयोजित होगी।डॉ0 दिनेश कुमार मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल ने उक्त जानकारी दी।

सीएसआईआर-सीडीआरआई एवं डा रेड्डीज लैब नई जेनेरिक दवाओं के लिए जरूरी, सस्ते एवं गुणवत्तापूर्ण सक्रिय औषधीय घटक (एपीआई) संबंधी रिसर्च मिलकर करेंगे

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीडीआरआई), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की एक घटक प्रयोगशाला एवं डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज लिमिटेड (डॉ. रेड्डीज), एक वैश्विक दवा कंपनी जिसका मुख्यालय हैदराबाद, भारत में है, ने नई जेनेरिक दवाओं के लिए जरूरी, सस्ते एवं गुणवत्तापूर्ण सक्रिय औषधीय घटक (एपीआई) के विकास के लिए एक समझौता किया है। सहयोग का उद्देश्य चयनित जेनेरिक दवाओं के लिए लागत प्रभावी (कॉस्ट–इफेक्टिव) और औद्योगिक रूप से व्यवहारिक प्रक्रियाएं विकसित

करना है। सीएसआईआर–सीडीआरआई और डॉ. रेड्डीज के विशेषज्ञ सिंथेटिक रसायनज्ञों का एक समूह परियोजना के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संयुक्त रूप से काम करेगा। सफल कार्यान्वयन पर, किफायती स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान देने के साथ, औषधि अनुसंधान और विकास के अन्य क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार किया जाएगा।

सीएसआईआर–सीडीआरआई, लखनऊ की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने कहा, ष्हम एपीआई के विकास के लिए डॉ. रेड्डीज के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। सामर्थ्य और पहुंच सुनिश्चित करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले दवा उत्पादों को तैयार करने का हमारा साझा लक्ष्य इस सहयोग को और अधिक एवं सार्थक विशेष बनाता है।ष

डॉ. रेड्डीज के एपीआई और सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दीपक सप्रा ने कहा, ष्हमें सीएसआईआर–सीडीआरआई के साथ सहयोग करने में खुशी हो रही है और हम गंभीरता से उद्योग–अकादमिक संबंधों को बढ़ावा देने की उम्मीद करते हैं। इस तरह की साझेदारी सार्वजनिक–निजी बुनियादी संरचनाओं (उपक्रमों), प्रतिभा एवं वैश्विक स्वास्थ्य के लिए ज्ञान के सर्वोत्तम दोहन का अवसर प्रदान करती हैं। यह सहयोग वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 1.5 बिलियन रोगियों की सेवा करने के लक्ष्य के साथ प्रतिबद्ध है एवं नवीन उत्पादों को लॉन्च करने एवं इन उत्पादों को सबके सामर्थ्य एवं सबकी पहुँच के अंदर लाने के लिए प्रयासरत रहेगा।

डीजीपी द्वारा प्रदत्त प्रशंसा चिन्ह् से सेनानायक डॉ0 मिश्र ने किया अलंकृत

अयोध्या।34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी स्थित कान्फ्रेंस हाल में आयोजित अलंकरण समारोह में सेनानायक डॉ राजीव नारायण मिश्र, आईपीएस द्वारा प्लाटून कमांडर श्री श्यामदरश यादव को पुलिस सेवा में सराहनीय योगदान के लिए पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदत्त प्रशंसा चिन्ह (रजत) से अलंकृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस मौके पर वाहिनी में नियुक्त प्लाटून कमांडर श्री श्यामदरश यादव की सराहनीय सेवा एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए सेनानायक ने प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी। इसके अतिरिक्त कर्मचारियों में सेवा, समर्पण की भावना, लगनशीलता, कार्यनिष्ठा एवं उत्साहवर्धन हेतु आयोजित श्निबंध–लेखनश एवं श्वाद–विवादश प्रतियोगिता में अग्रणी स्थान प्राप्त करने वाले कर्मियों को भी सेनानायक डॉ0 मिश्र द्वारा पुरस्कृत किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में आरक्षी अनिल कुमार भूर्तिया ने प्रथम, अखंड प्रताप सिंह ने द्वितीय एवं प्रवीण मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि वाद–विवाद प्रतियोगिता में दिए गए शीर्षक के पक्ष में अपना सर्वश्रेष्ठ मत रखने वालों में आरक्षी अखंड प्रताप सिंह ने प्रथम, चंद्रमणि ने द्वितीय व ईशनारायण यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विपक्ष में सचिन कुमार राय ने अपना सर्वश्रेष्ठ मत रखते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कियाध। अंत में सेनानायक डॉ मिश्र द्वारा सभी पदक एवं पुरस्कार विजेताओं की सराहना करते हुए अलंकरण समारोह के समाप्ति की घोषणा की गई। इस समारोह में बड़ी संख्या में पीएसी कर्मी सम्मिलित हुए।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।